संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 310
पृष्ठ 8
शुक्रवार
01 अगस्त 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आपके पसंदीदा पनीर में होती है...
विचार- अच्छी अर्थव्यवस्था का हाल...
खेल- पांचवें टेस्ट में चार बदलावों...

कांग्रेस का सनातन विरोधी चरित्र हुआ उजागर

मालेगांव विस्फोट केस के फैसले पर बोले सीएम योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में सात आरोपियों को बरी किए जाने को लेकर गुरुवार को कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि यह फैसला पार्टी के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को उजागर करता है। योगी ने एक्स पर लिखा कि मालेगांव विस्फोट प्रकरण में सभी आरोपियों का निर्दोष सिद्ध होना 'सत्यमेव जयते' की सजीव उद्घोषणा है। योगी आदित्यनाथ ने आगे लिखा कि यह निर्णय कांग्रेस के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को पुनः उजागर करता है, जिसने 'भगवा आतंकवाद' जैसा मिथ्या शब्द गढ़कर करोड़ों सनातन आस्थावानों, साधु-संतों और राष्ट्रसेवकों की छवि को कलंकित करने का अपराध किया है। कांग्रेस को अपने अक्षम्य कुकृत्य को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हुए देश से माफी मांगनी चाहिए। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने कल सदन में भी कहा कि दर्शनशास्त्र के अनुसार हिंदू आतंकवादी नहीं हो सकते क्योंकि हमारी संस्कृति और हमारी सभ्यता कभी भी आतंकवाद को बढ़ावा नहीं देती। लेकिन कांग्रेस के शासन में एक विशेष समुदाय को खुश करने के लिए एक शब्द गढ़ा गया- 'हिंदू आतंकवाद'। भाजपा नेता ने कहा कि हिंदू और आतंक दो विपरीत अवधारणाएँ हैं। हिंदू कभी आतंक में विश्वास नहीं करते और हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकते। मेरे लिए - यह अत्यंत संतोष की बात है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने संसद में जो कुछ भी कहा, आज मुंबई की एक अदालत ने भी हिंदू आतंक की अवधारणा को ध्वस्त कर दिया और जो भी

> मालेगांव प्रकरण में सभी आरोपियों का निर्दोष सिद्ध होना 'सत्यमेव जयते' की सजीव उदघोषणा है. यह निर्णय कांग्रेस के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को पुनः उजागर करता है, जिसने 'भगवा आतंकवाद' जैसा मिथ्या शब्द गढ़कर करोड़ों सनातन आस्थावानों, साधु-संतों और राष्ट्रसेवकों की छवि को कलंकित करने का अपराध किया है. कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए.
>
> **योगी आदित्यनाथ**
> मुख्यमंत्री

'हिंदू आतंक' के नाम पर आरोपी थे, सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस वोट बैंक के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। कांग्रेस ने भगवा आतंक की साजिश रची और उसे फैलाना शुरू कर दिया... अदालत ने पाया कि मोटरसाइकिल का कोई सबूत या चेसिस नंबर नहीं था। गवाहों ने भी कहा कि उन्हें प्रताड़ित किया गया और बयान देने के लिए मजबूर किया गया। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि चिदंबरम केवल पाकिस्तान को प्रमाण पत्र नहीं देते। उन्होंने गृह मंत्री रहते हुए भगवा आतंक का मुद्दा उठाया और एक नैरेटिव बनाने की साजिश रची... राहुल गांधी सच्चाई से क्यों भाग रहे हैं? सोनिया गांधी और राहुल गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए। क्या अभियोजन पक्ष माफी मांगेगा? साध्वी प्रज्ञा को जिस तरह से प्रताड़ित किया गया, मैं खुलकर नहीं कह सकता। जिन लोगों पर झूठा आरोप लगाया गया उन्हें मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए जिन्होंने उन पर झूठा आरोप लगाया।

बिहार को मोदी सरकार ने दी बड़ी सौगात

केंद्रीय कैबिनेट ने चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी

● सरकार ने दी रेलवे की 11,169 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कैबिनेट ने गुरुवार को राज्य के लिए एक खास परियोजना को मंजूरी दी। इससे बिहार सहित कई राज्यों को चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं की मंजूरी दी गई है। सरकार की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, कैबिनेट ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड राज्यों के 13 जिलों को कवर करने वाली चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसमें भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क लगभग 574 किलोमीटर बढ़ जाएगा। इस परियोजना की लागत करीब 11169 करोड़ रुपये आएगी। इटारसी-नागपुर के बीच चौथी रेलवे लाइव बनाने को मंजूरी दी गई. इस प्रोजेक्ट की लागत 5,451 करोड़ रुपये होगी. अलुबाड़ी रोड-न्यू जलपाईगुड़ी के बीच तीसरी और चौथी लाइन को भी कैबिनेट अप्रूवल दे दिया गया है. छत्रपति संभाजीनगर-परभणी के बीच 177 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन की डबलिंग के लिए 2,179 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं. केंद्रीय कैबिनेट ने डोंगापोसी से जरोली के बीच तीसरी और चौथी लाइन के प्रोजेक्ट (1,752 करोड़ रुपये) को भी मंजूरी दी. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए इटारसी-नागपुर के बीच चौथी रेलवे लाइन की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटारसी और नागपुर के बीच चौथी लाइन को मंजूरी दे दी है। इसका निर्माण दिल्ली और चेन्नई के साथ-साथ मुंबई और हावड़ा को जोड़ने वाले उच्च-घनत्व वाले गलियारे पर किया जाएगा। यह चारों दिशाओं का मिलन बिंदु है।

भोपाल-इंदौर में अब बिना हेलमेट नहीं मिलेगा पेट्रोल, 1 अगस्त से फैसला लागू

भोपाल, एजेंसी। सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए, भोपाल के ज़िला कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने एक सख्त निर्देश जारी किया है - बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वालों को अब मध्य प्रदेश की राजधानी के किसी भी पेट्रोल पंप पर ईंधन खरीदने की अनुमति नहीं होगी। यह आदेश भोपाल ज़िले के सभी पेट्रोल और सीएनजी पंपों पर लागू होगा।

यह निर्णय बिना हेलमेट के वाहन चलाने वालों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए लिया गया है। कलेक्टर के आदेश में कहा गया है कि इस नियम का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति, संस्था या पेट्रोल पंप संचालक पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आदेश के अनुसार, इसका मुख्य उद्देश्य यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। ईंधन पंप संचालकों को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि यदि वे आईएसआई-चिह्नित हेलमेट न पहनने वाले सवारों को ईंधन उपलब्ध कराते हैं, तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आदेश में मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 129 का हवाला दिया गया है, जिसके अनुसार प्रत्येक दोपहिया वाहन चालक और पीछे बैठे यात्री को सुरक्षा मानकों के अनुरूप सुरक्षात्मक हेलमेट पहनना अनिवार्य है। भोपाल में इस तरह का अभियान पहली बार नहीं चलाया गया है, लेकिन ज़िला प्रशासन ने घोषणा की है कि इस बार इसे पूरी सख्ती से लागू किया जाएगा। प्रशासन ने साफ़ तौर पर कहा है कि बिना हेलमेट पहने किसी भी दोपहिया वाहन चालक को कोई ईंधन या सीएनजी नहीं दी जाएगी। इस निर्देश के बाद, उम्मीद है कि शहर में ज़्यादा से ज़्यादा लोग हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की आदत अपनाएँगे।

बलिका से दुष्कर्म और उसकी हत्या के दोषी को आजीवन कारावास

फिरोजाबाद, एजेंसी। फिरोजाबाद जिले की एक अदालत ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले के एक आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) रवि शंकर प्रसाद ने बताया कि नारखी थाना क्षेत्र के एक गांव में 18 जून 2025 को हाथरस से अपनी नानी के घर आई आठ साल की एक लड़की को पड़ोस में रहने वाला कौशल बहला-फुसला कर अपने घर ले गया था, जहां पर उसकी दुष्कर्म के बाद

हत्या कर शव को ईंटों के नीचे दबा दिया था। उन्होंने बताया कि खोजबीन करने के बाद पुलिस ने शव बरामद कर आरोपी कौशल, उसके पिता अर्जुन, मां राधा एवं भाई मनीष के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। विशेष फास्ट ट्रैक अदालत के न्यायाधीश मुमताज अली ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद बुधवार को आरोपी कौशल को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास और एक लाख 40 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनायी। प्रसाद में बताया कि अदालत ने कौशल के पिता अर्जुन सिंह, मां राधा एवं भाई मनीष को सात-सात साल की सजा एवं 20-20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

मोदी ने अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि आज सबसे बड़ी समस्या देश की आर्थिक नीति, रक्षा नीति और विदेश नीति की है जिसे मोदी सरकार ने बर्बाद कर दिया है। श्री गांधी ने संसद भवन परिसर में गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुये सरकार पर तीखा हमला करते हुये कहा "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक नीतियां पूरी तरह विफल हो गई है और उसने देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। भारतीय अर्थव्यवस्था मर चुकी है। मोदी ने इसे खत्म कर दिया है। इस राज में अडानी-मोदी साझेदारी, नोटबंदी और त्रुटिपूर्ण जीएसटी, असफल असेम्बल इन इंडिया, एमएसएमई का सफाया, किसान कुचले गए हैं। मोदी ने भारत के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है क्योंकि नौकरियाँ नहीं हैं।" उन्होंने कहा कि आज देश की सबसे बड़ी समस्या देश की आर्थिक नीति, रक्षा नीति और विदेश नीति है जिसे मोदी सरकार ने बर्बाद कर दिया है। श्री मोदी इस देश को बर्बाद कर रहे हैं। वह सिर्फ एक ही व्यक्ति अडानी के लिए काम करते हैं। इन लोगों ने सारे के सारे छोटे कारोबार खत्म कर दिए हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था आज एक मृत अर्थव्यवस्था बन गयी है। उन्होंने एक अन्य सवाल पर कहा "भारत एक मृत अर्थव्यवस्था है, क्या आप लोगों को इसकी जानकारी नहीं है। पूरी दुनिया जानती है- भारत की इकॉनामी 'डेड इकानामी है और भाजपा ने देश की इकॉनामी को खत्म किया है। क्यों खत्म किया है- अडानी की मदद करने को खत्म किया है। विदेश मंत्री भाषण देते हुए कहते हैं कि हमारी विदेश नीति बहुत ही शानदार है। एक तरफ अमेरिका, भारत को भला-बुरा कह रहा है तो दूसरी तरफ चीन हमारे पीछे पड़ा है। जब आप अपना डेलिगेशन दुनिया भर में भेजते हैं तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता।" कांग्रेस नेता ने श्री मोदी पर हमला करते हुये कहा कि ये देश को कैसे चला रहे हैं- इन्हें देश चलाना ही नहीं आता, पूरी तरह से भ्रमित हैं। प्रधानमंत्री मोदी अपने भाषण में ट्रंप और चीन का नाम नहीं लेते। जिस पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने पहलगाम में हमला करवाया वह राष्ट्रपति ट्रंप के साथ लंच कर रहे हैं और हमारी सरकार कह रही है कि हमें बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा " आश्चर्य की बात यह है कि श्री ट्रंप ने 30-32 बार कहा है कि उन्होंने दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई को रुकवाया है। उन्होंने यह भी कहा है कि पांच विमान गिरे हैं और अब वो 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात बोल रहे हैं। बड़ा सवाल है कि श्री मोदी इन सवालों का जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं। नियंत्रण किसके हाथ में है यह बात समझने की है।"

भारत, अरब अमीरात व्यापक रणनीतिक साझेदारी को अधिक मज़बूत बनाने को प्रतिबद्ध

नयी दिल्ली 31 जुलाई (वार्ता) भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार देर रात संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से टेलीफोन पर बात की। दोनों नेताओं ने भारत और अमीरात के बीच द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने प्रतिबद्धता दोहराते हुए द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति का सकारात्मक मूल्यांकन किया। उन्होंने दोनों देशों के लोगों के साझा लाभ के लिए सहयोग का दायरा बढ़ाने पर ज़ोर दिया। शेख मोहम्मद ने लंबे समय तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने पर श्री मोदी को हार्दिक बधाई दी और राष्ट्र की सेवा में उनकी निरंतर सफलता की कामना की। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति को उनकी शुभकामनाओं और भारत के लोगों के प्रति व्यक्त स्नेह के लिए धन्यवाद दिया।

मालेगांव बम विस्फोट मामले में सभी सातों आरोपी बरी

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने मालेगांव में हुए बम विस्फोट के 17 वर्ष बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर सहित सभी सात आरोपियों को गुरुवार को बरी कर दिया। अदालत ने सुश्री ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त), अजय राहिरकर, समीर कुलकर्णी, सुधाकर चतुर्वेदी और सुधाकर धर द्विवेदी को बरी कर दिया है। एनआईए अदालत की अध्यक्षता कर रहे विशेष न्यायाधीश ए के लाहोटी ने सभी आरोपियों को बरी करने की घोषणा करते हुए कहा,"आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता क्योंकि कोई भी धर्म हिंसा को उचित नहीं ठहरा सकता।" अधिवक्ता रंजीत नायर ने कहा,"मैं आरोपी संख्या 11 सुधाकर चतुर्वेदी की तरफ से मामले की पैरवी कर रहा था। अदालत ने उसे इस आधार पर बरी कर दिया है कि अभियोजन पक्ष उसके खिलाफ कोई सबूत पेश नहीं कर सका।" अधिवक्ता प्रकाश सालसिंगिकर ने मीडिया को बताया,"अदालत ने कहा है कि यह घटना बहुत बुरी है। हालांकि, इस घटना में जिन लोगों की जानें गयी हैं उनकी क्षतिपूर्ति नहीं की जा सकती, लेकिन अदालत ने सभी के परिजनों को वित्तीय मदद देने का आदेश दिया है।" इस फैसले से पहले दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय के आसपास कड़े सुरक्षा उपाय किए गए थे और न्यायालय परिसर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। गौरतलब है कि 29 सितंबर, 2008 की रात मालेगांव के भिक्कू चौक के पास हुए विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और सौ से ज़्यादा घायल हुए थे। यह बम एक एक मोटरसाइकिल में लगाया गया था। इस विस्फोट से सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इस शहर में दहशत और अफरा-तफरी मच गई। इस मामले में पहले महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते ने जाँच की थी लेकिन वर्ष 2011 में इस मामले को एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया था। एनआईए ने इस मामले को फिर से दर्ज किया और जांच की थी। तब से, कई आरोपपत्र और पूरक रिपोर्ट दायर की जा चुकी हैं। इस मामले के सातों आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय होने के बाद वर्ष 2018 में मुकदमा शुरू हुआ था।

भगवा का अपमान करने वालों को भगवान सजा देंगे : साध्वी प्रज्ञा

नई दिल्ली, एजेंसी। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआईए अदालत द्वारा बरी किए जाने के बाद, सांधवी प्रज्ञा ठाकुर ने गुरुवार को कहा कि भगवान दोषियों को सजा देंगे। उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोगों ने साजिश के तहत भगवा को बदनाम किया।

उन्होंने कहा, षपिछले 17 सालों से मेरी ज़िंदगी बर्बाद हो गई है और भगवान उन लोगों को सजा देंगे जिन्होंने श्भगवाश का अपमान करने की कोशिश की। साध्वी प्रज्ञा ने कहा कि मैंने शुरू से ही कहा था कि जिन्हें भी जाँच के लिए बुलाया जाता है, उनके पीछे कोई न कोई आधार ज़रूर होना चाहिए। मुझे उन्होंने जाँच के लिए बुलाया और गिरफ़्तार करके प्रताड़ित किया गया। इससे मेरा पूरा जीवन बर्बाद हो गया। सांधवी प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि

मैं एक साधु का जीवन जी रही थी, लेकिन मुझ पर आरोप लगाए गए और कोई भी हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। मैं ज़िंदा हूँ क्योंकि मैं एक संन्यासी हूँ। उन्होंने साज़िश करके भगवा को बदनाम किया। आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है, और ईश्वर दोषियों को सज़ा देगा।

गोस्वामी तुलसीदास एवं प्रेमचंद जयंती पर आयोजित हुई व्याख्यानमाला

प्रयागराज। श्री हर्ष सावित्री संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दारागंज, प्रयागराज के परिसर में स्थित हर्ष योग केंद्र में वॉयस ऑफ टीचर्स एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में गोस्वामी तुलसीदास एवं हिंदी साहित्य के महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. कृष्ण मोहन मिश्र ने की, जबकि वक्ता के रूप में आचार्य डॉ. राजेश कुमार मिश्र श्धीरश, संस्थापक अध्यक्ष, वॉयस ऑफ टीचर्स एवं विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता के रूप में हिंदी विभाग, हांड़िया पी.जी. कॉलेज से डॉ. प्रद्युम्न सिंह ने सहभागिता की।

दोनों विद्वानों ने तुलसीदास और प्रेमचंद के साहित्य में निहित नैतिक मूल्यों, सामाजिक सरोकारों और सांस्कृतिक चेतना पर गहन विचार प्रस्तुत किए। डॉ. मिश्र ने तुलसी के काव्य में जीवन-मूल्यों की स्थायित्व शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ष्तुलसी केवल भक्तिकालीन कवि नहीं, वे भारतीय नैतिक जीवन के संवाहक भी हैं। वह भारतीय साहित्य, संस्कृति और धर्म के ऐसे अमर गायक हैं, जिनकी वाणी में जनमानस की आत्मा बोलती है। उन्होंने रामचरितमानस के माध्यम से न केवल आध्यात्मिक चेतना को जन-जन तक पहुँचाया, बल्कि नैतिकता, कर्तव्य और लोकधर्म की मशाल भी प्रज्वलित की। वहीं मुंशी प्रेमचंद नें लोक को कथा में उतार कर मानवीय वेदनाओं को उपचार हेतु जगत के सामने रखा। डॉ. प्रद्युम्न सिंह ने प्रेमचंद के यथार्थवादी दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए कहा कि ष्प्रेमचंद ने ग्रामीण भारत की पीड़ा को जिस संवेदनशीलता से उकेरा है, वह आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।ष तुलसी पर बात रखते हुए उन्होंने कहा कि ष्आज जब समाज मूल्यों के संक्रमणकाल से गुजर रहा है, तुलसी की वाणी फिर प्रासंगिक हो उठती है। वे केवल कवि नहीं, भारतीय आत्मा के जाग्रत प्रवक्ता थे।ष

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, छात्र-छात्राएँ एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने वक्ताओं के विचारों से लाभ उठाया एवं आयोजन की सराहना की। अंत में धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक द्वारा किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना व मॉडल सोलर ग्राम के चयन के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई

मुजफ्फरनगर। मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमल किशोर की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में पी०एम० सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना व मॉडल सोलर ग्राम के चयन के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मॉडल सोलर ग्राम के चयन करने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों के साथ विचार किया गया, जिसमें ग्राम रोनी हरजीपुर वि०ख० चरथावल का चयन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैंक के अधिकारियों को ससमय लक्ष्य पूर्ण करने तथा अनावश्यक रूप से कागज के लिए लाभार्थियों को परेशान न किये जाने व लाभार्थियों/वैण्डर्स से बैंक अधिकारियों द्वारा अच्छा व्यवहार करने के निर्देश दिये गये है। बैंकों द्वारा लोन समय पर नहीं देने के कारण मुख्य विकास अधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी है। विद्युत विभाग के अधिकारियों को सत्यापन एवं स्मार्टमीटर/ नेटमीटर स्थापना, मीटर रीडिंग के कार्यो को ससमय करने के निर्देश दिये गये है। परियोजना प्रभारी, यूपीनेडा को निर्देश दिये गये कि अग्रणी जिला प्रबन्धक व विद्युत विभाग के अधिकारियों से समन्वय कर संयंत्र स्थापना में आ रही समस्याओं का ससमय निराकरण करवायें। परियोजना प्रभारी, यूपीनेडा द्वारा अवगत कराया गया है कि जनपद का लक्ष्य 4702 है। जिसके सापेक्ष 3651 लाभार्थियों के यहां सोलर संयंत्र स्थापित कराये गये है। जिसमें 3021 लाभार्थियों को अनुदान प्राप्त हो चुका है। जनपद में वर्तमान में 54 वैण्डर्स कार्यरत है। वैण्डरों द्वारा कैनोपी, बैनर लगाकर तथा पम्पलेट वितरण कर योजना का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। बैठक में उप निदेशक कृषि, जिला पंचायत राज अधिकारी, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत, अधिशासी अभियन्ता, खण्ड विकास अधिकारी, सीनियर मैनेजर अग्रणी जिला प्रबन्धक कार्यालय, बैंकों के डिस्ट्रिक्ट को–ऑर्डिनेटर, परियोजना प्रभारी तथा जनपद के सभी वैण्डर्स आदि ने प्रतिभाग किया।

लाला जगदीश प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज की जूनियर विंग में हुई एनसीसी कैडेट्स की भर्ती

एनसीसी रक्षा विभाग की द्वितीय पंक्तिः प्रधानाचार्य श्री अखिलेश कुमार शर्मा

मुज़फ्फरनगर। लाला जगदीश प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, जानसठ रोड , मुज़फ्फरनगर में 82 यूपी एनसीसी बटालियन मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में 'कमांडिंग ऑफिसर कर्नल प्रवीण भाल जी' के दिशा–निर्देशन एवं 'एडम आफिसर कर्नल नवीन पराशर जी' के मार्गदर्शन में जूनियर विंग में एनसीसी कैडेट्स की नई भर्ती की गई। प्रथम चरण में 'शारीरिक दक्षता परीक्षा' एवं दूसरे चरण में 'लिखित परीक्षा' आयोजित की गई। भर्ती प्रक्रिया में '74 पंजीकृत' छात्रों जिनमें '72 ब्वायज' एवं

'02 गर्ल्स' ने हिस्सा लिया। बुधवार को फिजिकल परीक्षा के प्रथम चरण में शारीरिक दक्षता परीक्षा के अन्तर्गत दौड़ प्रतिस्पर्धा में हरी झंडी दिखाकर छात्रों को रवाना करते हुए 'विद्यालय के एनसीसी अधिकारी राज कमल वर्मा जी' ने कहा कि एनसीसी सेना का ही एक अभिन्न अंग है। इससे कैडेट्स में देश एवं समाज सेवा का जज्बा पैदा होता है। कैरियर निर्माण में भी एनसीसी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 'सूबेदार मेजर यशपॉल जी' ने छात्रों को एनसीसी की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार के द्वारा सीमावर्ती राज्यों में एनसीसी का विस्तार किया जा रहा है। केन्द्रीय एवं राज्य स्तर पर एनसीसी कैडेट्स को विभिन्न विभागों की भर्तियों में 'बोनस अंक' अर्जित किए जा रहा है। इसके साथ ही एनसीसी कैडेट्स सामाजिक गतिविधियों में हिस्सा लेकर नागरिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, वृक्षारोपण, रक्तदान आदि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर सीनियर एनसीसी केयर टेकर विक्रांत कुमार , वरिष्ठ आचार्य महेश कुमार, शारीरिक शिक्षक श्री रवि कुमार, आशीष शर्मा, सूबेदार तेजिन्दर सिंह,हवलदार सुरजीत सिंह , हरजीत सिंह, विश्वेन्द्र जी सैन्य एवं एनसीसी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की जुलाई की काव्य गोष्ठी धूमधाम से संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। शाखा की जुलाई महीने की महिला काव्य गोष्ठी अध्यक्ष आदरणीय रंजना बिनानी जी की अध्यक्षता में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस काव्य गोष्ठी की मुख्य अतिथि राधा बिनानी जी एवं विशिष्ट अतिथि कुसुम बजाज जी रही। मां शारदे की मूर्ति स्थापना ,दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण रंजना बिनानी द्वारा किया गया। पश्चात मां सरस्वती की वंदना सीमा सिंधी जी ने प्रस्तुत की। तत्पश्चात सभी ने अपनी अपनी

प्रस्तुतियां देकर मंच को सुसज्जित किया। प्रस्तुति देने वाली बहनों में मीना नागोरी,रंजना बिनानी काव्या, सीमा सिंधी,भगवती बिहानी,एवं सरला बजाज ने ष सावन और शिव षविषय पर अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुसज्जित किया । प्रत्येक माह गोलाघाट शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन सरला बजाज जी द्वारा किया गया, धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

विस्तारित क्षेत्र में बन गए त्रिशंकु, शहर की सुविधा मिली नहीं, गांव के लाभ से भी वंचित

प्रयागराज। लाखों रुपये लगाकर मकान बनवाने के बाद भी आने जाने के लिए पक्की सड़क तक न हो तो लोग जिम्मेदारों को कोसेंगे ही। नैनी के चाका स्थित गोविंदपुरम कॉलोनी के 500 से ज्यादा परिवार इस बात से खुश थे कि नगर निगम की सीमा में शामिल हो गए हैं। निगम के विस्तारित क्षेत्र में आने से समस्याओं का त्वरित निदान होगा और मूलभूत सुविधाएं सड़क, पानी और सीवर मिलने से जनजीवन आसान हो जाएगा। चुनाव आया तो लोगों ने उत्साह पूर्वक मतदान कर पार्षद चुना, ताकि वह क्षेत्र के विकास में उनके साथ खड़े हों, लेकिन यह सपना मात्र ही रह गया। एक अदद सड़क तक नसीब नहीं हुई। शिकायत दर शिकायत के बाद भी न नगर निगम के अफसर सुन रहे हैं और न ही पार्षद। लोगों से बातचीत की तो वह सिस्टम को कोसने लगे। कहा, बारिश के मौसम में हालात बदतर हो गए हैं। थोड़ी सी बारिश से सड़क पर चलना दूभर हो जाता है। जलभराव और कीचड़ होने से फिसलन के कारण लोग हादसे के शिकार हो रहे हैं। नैनी के रामसागर चाका स्थित गोविंदपुरम कॉलोनी के बाशिंदे पक्की सड़क न होने से परेशान हैं। कई साल से परेशानी झेल रहे लोग बारिश शुरू होते ही चिंतित हो जाते हैं। कीचड़ भरे ऊबड़–खाबड़ मार्ग खतरनाक हो जाता है। फिसलन के कारण पैदल निकलना मुश्किल हो जाता है। बच्चों को स्कूल आने–जाने के लिए भी भारी मशक्कत करनी पड़ती है। चार दिन पहले स्कूली बच्चों से भरा एक रिक्शा कीचड़ भरे गड्ढे के कारण पलट गया था, हादसे में कई बच्चे चोटिल हो गए। बच्चों की यूनिफॉर्म और बैग कीचड़ में सन गए थे। इससे अभिभावक काफी चिंता में हैं। लोगों ने बताया कि इस खस्ताहाल मार्ग पर छोटे बच्चों के दो विद्यालय हैं। मार्ग खस्ताहाल होने के कारण बच्चों को खुद स्कूल छोड़ने और ले आने के लिए जाते हैं। बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। नालियां हैं नहीं तो कैसे निकले पानी रू करीब ढाई हजार की आबादी वाली इस कॉलोनी में जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई है। मार्ग के दोनों तरफ पक्की नालियां न होने से बारिश होते ही जलभराव हो जाता है और

यह कई दिनों तक बना रहता है। आवागमन बाधित हो जाता है। लोग बताते हैं कि कभी यहां भूमिगत नालियां थीं जिससे पानी की निकासी होती थी, लेकिन बाद में इन नालियों और चौंबर को पाट दिया गया। सड़क और नाली का निर्माण हो जाए तो समस्या दूर हो जाए, कई बार जनप्रतिनिधियों से भी शिकायत की गई, लेकिन कुछ नहीं हुआ। चुनाव के समय कई नेताओं ने आश्वासन दिया था। बाद में सब भूल गए। महापौर, विधायक और सांसद भी नहीं बनवा पाए सड़क करीब 20 वर्ष पूर्व बसी गोविंदपुरम कॉलोनी कभी रामसागर ग्राम सभा के अन्तर्गत आती थी। अब नगर निगम के विस्तारित क्षेत्र में आ गई। कॉलोनी में पूर्व में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत डामर रोड बनी थी। कभी मरम्मत न होने के कारण धीरे–धीरे इस सड़क ने दम तोड़ दिया। वर्तमान में देखने पर अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता कि कभी यहां डामर रोड हुआ करती थी। पांच वर्ष से अधिक समय से सड़क की समस्या से परेशान लोगों ने इसके लिए महापौर, विधायक और सांसद से फरियाद की। हर तरफ से मात्र आश्वासन ही मिला। सड़क निर्माण किसी ने नहीं कराया। मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी जागरूक लोगों ने शिकायत दर्ज कराई। कागज पर ही समस्या का निस्तारण कर दिया गया। उच्चाधिकारियों को भी शिकायती पत्र दिया, लेकिन किसी ने गंभीरता से नहीं लिया। खुले में रखा ट्रांसफॉर्मर से हादसे की आशंका मुख्य मार्ग पर मंदिर के बगल लगा ट्रांसफॉर्मर खुला हुआ है। इसके आसपास से मवेशी गुजरते हैं और बच्चे भी यहां खेलते हैं। ट्रांसफॉर्मर को चारों तरफ से घेरा नहीं गया है जिससे कभी भी कोई हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत बिजली विभाग के अधिकारियों से की, लेकिन जिम्मेदारों ने ट्रांसफॉर्मर को ढंकने की जरूरत नहीं समझी। अब बारिश शुरू हो जाने के बाद खतरा और बढ़ गया है। हमारी भी सुनें कॉलोनी की मुख्य सड़क की हालत काफी खराब है। बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं जिसमें बारिश का पानी भरा रहता है। इन गड्ढों के कारण गिरकर चोटिल होने का डर बना रहता है। यह सड़क बन जाए तो राहत मिले। – शनि सोनी मेन रोड कीचड़ से पटी हुई है। इस पर न तो पैदल चला जा सकता है न ही बाइक या स्कूटी लेकर निकल पा रहे हैं। कई बार कीचड़ में गिर चुके हैं। इस सड़क का निर्माण हो जाए तो राहत मिले। –संजय कुमार मुख्य सड़क की हालत ऐसी है कि इस पर पैदल भी नहीं चला जा सकता। सड़क पर पानी और कीचड़ है। पास में बच्चों का स्कूल है, स्कूली बच्चे कीचड़ भरे रास्ते से होकर जाने को मजबूर हैं। – विशाल सिंह मुख्य मार्ग के पास बच्चों का स्कूल है। बच्चे कीचड़ से होकर स्कूल जाते हैं, हमेशा डर बना रहता है। तीन–चार दिन पहले स्कूली बच्चों को लेकर जा रहा एक रिक्शा पलट चुका है। सड़क बनी होती तो ऐसा न होता। – अभय नारायण दुबे पांच वर्ष से भी अधिक समय से हम लोग सड़क की मांग कर रहे हैं, लेकिन आज तक किसी ने न सुनी। सांसद–विधायक सहित सभी जगह फरियाद कर चुके हैं। कोई उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। – राहुल कुमार हम लोग कई साल से सड़क की समस्या से परेशान हैं। नगर निगम के उच्चाधिकारियों से शिकायत के बाद भी कुछ नहीं हुआ। न जनप्रतिनिधि ध्यान दे रहे हैं न अधिकारियों को फिक्र है। समस्या का समाधान कैसे होगा। –राजेंद्र मिश्र सड़क की समस्या को लेकर सांसद, विधायक सभी से कहा गया, लेकिन सिवाय आश्वासन के आज तक कुछ नहीं मिल सका है। यह कॉलोनी का मेन रास्ता है जिसका डामरीकरण हो जाए तो लोगों का जीवन आसान हो जाए। – डीएन यादव नगर निगम ने अपने क्षेत्र का विस्तार तो कर लिया, लेकिन विस्तारित क्षेत्र को उपेक्षित छोड़ दिया है। इससे यहां के लोगों की समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। यहां सड़क का बनना बेहद जरूरी है। – मुन्नी लाल वर्मा मुख्य सड़क खस्ताहाल है, जलनिकासी के लिए नाली तक नहीं बनाई गई है जिससे जरा सी बारिश में जलभराव हो जाता है। कई दिनों तक पानी भरा रहता है। कीचड़ में लोग फिसलकर गिर रहे हैं। –ओपी तिवारी पिछले पांच वर्षों में इस कॉलोनी में कोई काम नहीं हुआ है। सड़क बदहाल है, नालियां बनी नहीं हैं। हर तरफ गंदगी पसरी हुई है। गोविन्दपुरम कॉलोनी को नगर निगम में शामिल तो कर लिया गया, लेकिन हमें कोई फायदा नहीं मिला। – अमित प्रधान यहां सड़क और जलभराव मुख्य समस्या है, जिसका निदान हो जाए तो लोगों को काफी राहत मिले। इसके लिए लगातार कहा जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार शिकायतों को नजरअंदाज कर रहे हैं। – गुलाब चंद्र उपाध्याय पांच वर्ष से अधिक समय से हम लोग पक्की सड़क के लिए परेशान हैं। शिकायत करते हैं तो जल्द काम हो जाने का भरोसा देकर टरका दिया जाता है। जनप्रतिनिधि भी सुन नहीं रहे हैं। –जय सिंह हमें नगर निगम में शामिल तो कर लिया गया, लेकिन नगर की सुविधा से अभी भी हम लोग वंचित हैं। हमारी हालत ऐसी है कि न तो हम ग्राम सभा की सुविधा पा रहे न निगम की सुविधा हमें मिल सकी है। –नरसिंह पूरी सड़क कीचड़ से पटी हुई है, जिसमें कीचड़ भरा हुआ है। छोटे–छोटे बच्चे इसी कीचड़ भरे रास्ते से होकर स्कूल आते हैं। आए दिन बच्चे कीचड़ में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। इस सड़ का बनाना बेहद जरूरी है। – प्रतिमा साहा खस्ताहाल सड़क के कारण छोटे बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा परेशानी हो रही है। बुजुर्ग तो रास्ता तक पार नहीं कर पा रहे हैं। बच्चों को भी रोज स्कूल जाने में दिक्कत उठानी पड़ रही है। – दीदी पाठक नगर निगम ने अपने विस्तारित क्षेत्र में कॉलोनी को शामिल किया तो हम काफी प्रसन्न थे कि शहर के समान सुविधा मिलेगी। लेकिन यह सपना ही रह गया। हालत गांव से भी बदतर हो गई है। – किशन पांडे कई साल से हम लोग सड़क और जलभराव की समस्या के निदान के लिए परेशान हैं। शिकायत करते हैं तो अधिकारी सुनते नहीं हैं। जनप्रतिनिधियों को समस्या से कोई लेना देना नहीं है। परेशान तो हम लोग हैं। – अनिल पांडेय यहां कभी अंडरग्रांउड नाली हुआ करती थी, जिसे बाद में पाट दिया गया। अब पानी की निकासी नहीं है। मार्ग के दोनों तरफ पक्की नालियां बन जाए तो जल निकासी की समस्या का निदान हो जाए। – सुषमा सिंह

अहिल्यानगर (महाराष्ट्र) में केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय तथा नया कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हिंदीतर भाषी नवलेखक शिविर का भव्य समापन समारोह

नवलेखक शिविर से उत्कृष्ट नवलेखक के निर्माण में सहायकः डॉ.भारत भूषण शर्मा

समापन समारोह में असम के शिक्षक व शिविरार्थी को विशेष पुरस्कार प्रदान

असम के शिविरार्थी ने शिविर के दौरान राज्य के 'जातीय संगीत' और सुधाकंठ डा. भूपेन हजारिका का गीत 'मानुहे मानुहर बावे' गीत का प्रस्तुति

विश्वनाथ। असम ,लल्ल जम्मू–कश्मीर के जाने–माने हिंदी लेखक भारत भूषण शर्मा ने कहा कि गैर–हिंदी भाषी हिंदी लेखकों के लिए यह शिविर विभिन्न साहित्यिक विधाओं में लिखने वाले नए लेखकों को एक दिशा प्रदान करता है। वह शिविर के समापन समारोह में बोल रहे थे।हिंदीतरभाषी नवलेखकों के लिए हिंदीतरभाषी हिंदी नवलेखक शिविर का आयोजन न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, पारनेर और केंद्रीय हिंदी निदेशालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 21 जुलाई, 2025 से 28 जुलाई, 2025 तक किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रंगनाथ अहेर ने की। जाने–माने लेखक भारत भूषण शर्मा ने आगे कहा कि लेखकों का निर्माण सामाजिक रीति–रिवाजों और साहित्यिक लेखन प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से होता है। भाषा संस्कृति की वाहक होती है। इसलिए संस्कृति हमें एक–दूसरे से जोड़ती है। मेरा निर्माण भी ऐसे शिविरों के माध्यम से हुआ है।

इस अवसर पर पुणे आकाशवाणी के पूर्व सहायक निदेशक एवं प्रसिद्ध प्रस्तोता एवं लेखक डॉ. सुनील देवधर ने कहा, ष्देश की सभी भाषाएँ ज्ञान और संस्कृति के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। हमारे देश में भाषा पर अधिकार करना, कुशल, प्रखर और योग्य लेखकों का निर्माण करना और आने वाली पीढ़ी के लिए उपयुक्त लेखन करना अत्यंत आवश्यक है। शब्दों में बहुत शक्ति होती है, हमें साहित्य का उपयोग संस्कृति के विकास के लिए करना चाहिए।ष

अहमदनगर जिला मराठा विद्या प्रसारक समाज संस्था के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. भाऊसाहेब खिलाड़ी ने कहा, ष्अपनी भाषा के माध्यम से संस्कृति शीघ्र समझ में आती है। अपनी भाषा के माध्यम से ही उसे प्रमुखता से व्यक्त भी किया जा सकता है। हमारा भारत एक ऐसा देश, प्रांत, भाषा और संस्कृति है जो एकता में बंधे हैं। हमारा देश भाषा की दृष्टि से संरचित है। अलग–अलग क्षेत्रों की अलग–अलग भाषाएँ हैं, लेकिन चूँकि देश के अधिकांश क्षेत्रों में हिंदी बोली जाती है, इसलिए यह पूरे देश को जोड़ने का काम करती है।ष

समापन समारोह के अध्यक्ष महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.रंगनाथ आहेर ने कहा, ष्ये शिविर नए लेखकों को लेखन में दिशा प्रदान करता हैं। साहित्य लेखन के लिए नए विचार महत्वपूर्ण हैं। ऐसे नए विचारों को हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान दिया जाना चाहिए। अगर हमें अपने जीवन को और अधिक प्रभावी और गहन बनाना है, तो आने वाले समय में ऐसे शिविरों के आयोजन की आवश्यकता है। मुझे आशा है कि भविष्य में नए लेखक शिविरों से नए लेखकों की एक पीढ़ी अवश्य उभरेगी।ष ऐसा विश्वास व्यक्त किया।इस अवसर पर हिंदी सेवी सैय्यदा अनुवारा खातून (जिला विश्वनाथ,असम), संतोष कुमार महतो (जिला,विश्वनाथ असम), विमल कुमार चौधरी (गुजरात), रविन्द्र उगले , मौसम कुमारी राय (जिला ,विश्वनाथ असम) और सुजीत कुमार शर्मा (जिला विश्वनाथ, असम,) सहित प्रतिभागी शिविरार्थियों ने अपने विचार व्यक्त किए और अनूप शर्मा (जिला विश्वनाथ,असम) ने आठ दिवसीय शिविर के अनुभव पर स्वरचित उत्कृष्ट कविता प्रस्तुति की , जिससे सभा में तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी। मुख्य अतिथि द्वारा प्रतिभागी नवलेखक शिविरार्थियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन प्रो. शुभदा अराडे और प्रो. प्रतीक्षा तनपुरे ने किया। प्रास्ताविक डॉ. हनुमंत गायकवाड़ ने किया, धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. विजयकुमार राउत ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्रोफेसर, प्रशासनिक कर्मचारी उपस्थित थे।असम के शिविरार्थी ने शिविर के दौरान राज्य के ष्जातीय संगीतष्और सुधाकंठ डॉ० भूपेन हजारिका का गीत ष्मानुहे मानुहर बावेष गीत का प्रस्तुति किया। उपस्थिति अतिथियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया।

17 साल की रेप पीड़िता को 31 सप्ताह में अबॉर्शन की इजाजत, हाईकोर्ट ने कहा–महिला की इच्छा सर्वोपरि

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साढ़े 17 वर्षीय एक रेप पीड़िता को 31 सप्ताह में अबॉर्शन की अनुमति देते हुए कहा कि इसके लिए गर्भवती महिला की इच्छा और सहमति सर्वोपरि है। हालांकि गर्भ गिराने में मां और बच्चे के जीवन को खतरा हो सकता है। गर्भावस्था की चिकित्सीय समाप्ति की याचिका को स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता एवं न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की खंडपीठ ने कहा कि इस मामले में पूरे परामर्श सत्र के बावजूद याची और उसके माता–पिता गर्भावस्था को पूरी अवधि तक ले जाने के लिए सहमत नहीं हुए हैं। ऐसा सामाजिक कलंक या घोर गरीबी के डर के साथ इस तथ्य के कारण हो सकता है कि उसके साथ हुए अपराध ने उसे शारीरिक व मानसिक रूप से पूरी तरह से तोड़ दिया होगा। सरकार ने अपने जवाब में कहा था कि गर्भपात मां व बच्चे के जीवन के लिए खतरा है। यह देखते हुए कि प्रजनन स्वायत्तता, गर्भपात, गर्भवती महिला की गरिमा और निजता का अधिकार सर्वोपरि है, कोर्ट ने कहा कि याची को परामर्श दिया जाना चाहिए और बच्चे को गोद लेने की प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए क्योंकि वह गर्भावस्था के अंतिम चरण में थी।

ईडी और आईबी का प्रयागराज में बनेगा स्थायी दफ्तर

प्रयागराज। केंद्र सरकार की जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और इंटेलीजेंस ब्यूरो प्रयागराज में स्थायी कार्यालय बनाएंगे। आर्थिक अपराध की जांच करने वाली इकाई प्रवर्तन निदेशालय ने कार्यालय और आवास बनाने के लिए रक्षा मंत्रालय से जमीन मांगी है। इंटेलीजेंस ब्यूरो ने भी रक्षा भूमि पर स्थायी कार्यालय बनाने के लिए रक्षा संपदा कार्यालय से संपर्क किया है। केंद्र सरकार के भारतीय सांख्यिकी विभाग ने भी कार्यालय बनाने के लिए आवेदन किया है। प्रवर्तन निदेशालय को कार्यालय और आवासीय परिसर बनाने के लिए डेढ़ लाख वर्ग मीटर जमीन चाहिए। जबकि भारतीय सांख्यिकी विभाग को डेढ़ हजार वर्ग मीटर जमीन की आवश्यकता है। केंद्र सरकार की दोनों इकाई ने जमीन भी चिह्नित कर ली है। प्रवर्तन निदेशालय तेलियरगंज स्थित पुरानी छावनी और भारतीय सांख्यिकी विभाग ने नया पुरवा के पास जमीन देखी है। बताया जा रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय और भारतीय सांख्यिकी विभाग की ओर से चिह्नित की गई जमीनों का संयुक्त सर्वे भी हो चुका है। सर्वे रिपोर्ट रक्षा मंत्रालय भेजी जाएगी। मंत्रालय से स्वीकृति मिलने के बाद दोनों विभागों को जमीन आवंटित की जाएगी। अभी दोनों के कार्यालय किराये के भवन में हैं। प्रवर्तन निदेशालय का दफ्तर नवाब यूसुफ रोड स्थित बीएसएनएल और इंटेलीजेंस ब्यूरो का कार्यालय मेंहदौरी में है। रक्षा संपदा अधिकारी एके मिश्रा ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय और भारतीय सांख्यिकी को जमीन देने के सिलसिले में मंत्रालय निर्णय लेगा। इंटेलीजेंस ब्यूरो ने रक्षा मंत्रालय के पोर्टल पर अभी आवेदन नहीं किया है।

'भारतीयता को अभिव्यक्त करने वाले रचनाकार हैं प्रेमचंद'

प्रेमचंद जयंती की पूर्व संख्या पर युवा सृजन संवाद की ओर से बुधवार को श्भारत का वर्तमान और किसानरू संदर्भ प्रेमचंदश विषय पर घर–गोष्ठी हुई। इलाहाबाद विश्वविद्यालय हिंदी विभाग के प्रो. संतोष भदौरिया ने कहा कि प्रेमचंद भारतीयता को अभिव्यक्त करने वाले प्रतिनिधि रचनाकार हैं। जीवन को समग्रता में देखना उनके लेखन की खास विशेषता है। प्रेमचंद के लेखन की व्याप्ति समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक थी। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य, उनके उपन्यास और कहानियां हमें उपनिवेशवादी समय को समझने में मदद करते हैं। आज के नवसाम्राज्यवादी दौर को भी उनके लेखों और संपादकीय टिप्पणियों से डीकोड किया जा सकता है। अध्यक्षता करते हुए उर्दू के कथाकार असरार गांधी ने कहा कि प्रेमचंद ने अपने उर्दू और हिंदी में लेखन से कई पीढ़ियों में वैज्ञानिक चेतना पैदा की। उन्होंने समाज के बुनियादी मसलों पर बात की और लगातार की। संयोजक संस्कृतिकर्मी संजय पांडेय ने इस तरह की गोष्ठियों को बेहद ज़रूरी बताया। संचालन कवि एवं शायर मनोज त्रिपाठी ने किया। अंत में मक़दूम फूलपुरी और मनोज त्रिपाठी ने अपनी रचनाएं सुनाई। गोष्ठी में पत्रकार रियाज खान, आरके पाठक, शिवमोहन, डॉ. शमेनाज़ शेख, मयंक धवन, शिल्पा धवन, उपेन्द्र पांडे, अतुल मिश्रा, शशि, अश्वनी तिवारी, दीपक सिंह, जगदीश, महताब आदि शामिल रहे।

भयहरण नाथ धाम में सामूहिक रुद्राभिषेक 6 अगस्त को

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में सावन मास के अंतर्गत प्रबन्ध समिति द्वारा गत वर्षो की भाँति सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन 6 जुलाई को किया जायेगा। प्रबन्ध समिति सदस्यों सहित क्षेत्र के सैकड़ो गण मान्य नागरिक प्रतिभाग करेंगे। यह सामूहिक पूजन जगत कल्याण हेतु किया जाता है।

यह जानकारी देते हुए भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया की संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र व अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल के संयोजन में सावन मेला के समापन अवसर पर होने वाला सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन 9 अगस्त को रक्षाबंधन होने के नाते 6 जुलाई को दोपहर 1 बजे से धाम की बारदारी में होगा। इच्छुक व्यक्ति राज कुमार शुक्ल के मोबाइल नंबर 7007194089 पर वार्ता करके अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते है। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व नगर पंचायत प्रतिनिधि मुकेश कुमार सिंह सहित संबंधितो को आवश्यक सहयोग हेतु निर्देश दिया गया है। सामूहिक रुद्राभिषेक में विधायक जीतलाल पटेल, नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्ना यादव व महासचिव समाज शेखर, थानाध्यक्ष जेठवारा सुभाष यादव तथा चौकी प्रभारी राजीव वर्मा व अरुण मौर्य भी प्रतिभाग करेंगे।

कराटे खिलाड़ी अयान ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड कराटे किंग वेदप्रकाश ने दी शाबाशी

मुजफ्फरनगर। विश्व ख्याति प्राप्त इंटरनेशनल कराटे अकेडमी इंडिया के डायरेक्टर शिहान वेदप्रकाश शर्मा के जांबाज शिष्य अयान ने मात्र 15 सैकिंड में 35 क्लेप पुश अप लगाकर बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया है वेदप्रकाश शर्मा के सुपुत्र कराटे प्रशिक्षक सैंनसाई अभिषेक शर्मा ने बताया कि मेरे पिता श्री वेदप्रकाश शर्मा जी ने अपने जीवन काल के स्वर्णिम 43 साल मार्शल आर्ट्स कराटे खेल को बढ़ावा देने के लिए लगा दिए जोकि आज हम उसी परम्परा को आगे बढ़ाने का कार्य कर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं हमारी आर्यपुरी स्थित कराटे अकेडमी पर कराटे खिलाड़ियों को जैपनीज एडवांस तकनीक के विशेष प्रशिक्षण के साथ ही छोटे बच्चों एवं लड़कियों को आधुनिकतम व्यायाम और आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाते हैं वहीं ब्लैक बेल्ट खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत कराई जाती है और यह उसी का परिणाम है आज हमारी कराटे अकेडमी के होनहार खिलाड़ी दमदार कराटे प्रदर्शन करके राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय एवं साउथ एशिया कराटे कप जीतकर विश्व स्तर पर मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश एवं भारत देश का नाम रोशन कर रहे हैं सैंनसाई अभिषेक शर्मा ने बताया कि हाल ही में अकेडमी के सीनियर ब्लैक बेल्ट खिलाड़ी सार्थक आर्य ने यूरोप में वर्ल्ड कराटे लीक में जबरदस्त प्रदर्शन किया था वहीं ब्लैक बेल्ट अयान ने 15 सेकिंड में 35 क्लेप पुश अप लगाकर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है सीनियर खिलाड़ी अयान की इस बड़ी उपलब्धि पर डायरेक्टर वेदप्रकाश शर्मा एवं कोच अभिषेक शर्मा ने अयान को शाबाशी देते हुए आर्यपुरी स्थित कराटे अकेडमी पर पदक एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अशोक कंसल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जीएसटी के उच्च अधिकारियों से मिला एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ उठाई

मुजफ्फरनगर। वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री अशोक कंसल के नेतृत्व में व्यापार मंडल प्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधि मंडल जीएसटी के उच्च अधिकारियों से सिद्धिश दीक्षित, राजनाथ तिवारी एवं निरुपमा जी से मिला ' श्री कंसल जी ने अपने उद्योग मंच के जिला अध्यक्ष आदरणीय प्रवीण जैन जी के छोटे भाई राजेश जैन जी के बारे में पूछा कि इतनी बड़ी रिश्वत कैसे मांगी गई, इसमें सरकार की भी किरकिरी होती है और आप उच्च अधिकारियों की भी छवि धूमिल होती है जबकि सरकार की मंशा पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार को जीरो टॉलरेंस करने की है ' इसके बावजूद भी इतनी बड़ी रिश्वत मांगने वाले अधिकारी के खिलाफ त्वरित दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए जिस पर अधिकारियों ने बताया कि उस अधिकारी को निलंबित करते हुए झांसी अटैच कर दिया गया है और निश्चित रूप से आपको अस्वस्थ करना चाहते हैं कि हम विधिक राय ले रहे हैं कि यदि विभाग उसके खिलाफ एफ.आई.आर कर सकता हो तो उसे पर निश्चित रूप से एफ.आई.आर कराई जाएगी एवं उसको जेल भेजा जाएगा ताकि भविष्य में कोई भी अधिकारी व कर्मचारी इस प्रकार की रिश्वत ना मांग सके ' इस पर श्री कंसल ने कहा कि अगर अधिकारियों के द्वारा किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न किया गया तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ' श्री कंसल ने कहा कि एक व्यक्ति के द्वारा पोस्ट डालने मात्र से ही अधिकारी के द्वारा आई आई ए के अध्यक्ष को क्यों नोटिस दिया गया, अगर कोई भ्रांति थी तो उसे दूरभाष पर बात करके समाप्त किया जा सकता था, नोटिस देने का काम अधिकारियों द्वारा किया गया जो की अति निंदनीय है ' इससे लगता है कि कहीं ना कहीं जो संस्थाएं चला रहे हैं उनके उच्च पदाधिकारी को नोटिस देकर उनकी आवाज दबाने का काम किया जा रहा है ' ऐसा प्रतीत होता है लेकिन यह निंदनीय है जिस पर अधिकारियों ने बताया कि उस अधिकारी ने अपनी गलती मांगते हुए क्षमा याचना की है कि वास्तव में मुझे फोन पर बात करनी चाहिए थी ना कि नोटिस देना चाहिए था फिर श्री कंसल ने कहा कि पूर्व में भी अधिकारियों के द्वारा एक हलवाई के यहां जाकर दोनों-पत्तल गिनने का काम किया गया एवं पंडित ढाबे पर जाकर खाली प्लेट गिनने का काम किया गया जो कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की बात लगती है एवं उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पुनरावृत्ति ना हो और ना ही किसी भी प्रकार के जनरल सर्वे छापे बर्दाश्त किए जाएंगे ' अंत में श्री कंसल ने कहा कि यदि विधिक राय में यह राय मिलती है कि विभाग भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ एफ.आई. आर कर सकता है तो शीघ्र ही विभाग को अधिकारी के खिलाफ एफ.आई.आर करनी होगी अन्यथा व्यापार मंडल मजबूर होकर जी. एस. टी कार्यालय के बाहर ही तब तक धरना देगा जब तक की उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई न हो जाए।

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज की टीम ने नवनिर्वाचित हाइकोर्ट अध्यक्ष राकेश पांडे को दी बधाई

प्रयागराज। बुधवार को नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट की जिला प्रयागराज टीम ने संरक्षक परवेज आलम के नेतृत्व में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश पांडे को अंगवस्त्रम, बुके भेटकर सम्मानित किया।

इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश पांडे ने सभी अधिवक्ता साथियों को शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि यह कार्यकाल यादगार होगा। हमारी पहली प्राथमिकता में इलाहाबाद हाईकोर्ट में नवनिर्मित एडवोकेट चेंबर को सुव्यवस्थित एलाट करना है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुकदमों की लिस्टिंग व्यवस्था को दुरुस्त करना है। जिससे तमाम अधिवक्ता साथियों को दो-चार होना पड़ता है। इसके साथ ही हाईकोर्ट कैम्पस को वाई-फाई सुविधा पर विचार किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के सम्मान को वापस लाकर रहूंगा। किसी अधिवक्ता को आर्थिक दिक्कतों का सामना न करना पड़े, इसके लिए मैं स्वयं विचार कर रहा हूं। निश्चित रूप से उन्हे राहत दे पाउगा।

इस दौरान संरक्षक परवेज आलम जिलाध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव, कुलदीप सिंह, अखिलेश शुक्ला, आयुष श्रीवास्तव डॉ सुधाकर पान्डेय राम बाबू असद कुरैशी,शनि कुमार केसरवानी, रंजीत निषाद इरफान खान, मो नसीम खान देवाशीष श्रीवास्तव, नफीस अहमद, मनोज कुमार मो0 शकील अहमद शिव जी मालवीय आनन्द श्रीवास्तव सत्यम निषाद जितेंद्र कुमार सिंह पवन देव गौरव त्रिपाठी अमित कुमार श्रीवास्तव अनिरूद त्रिपाठी शहनवाज अहमद आदि उपस्थित रहे।

अ.भ.सेवक संघ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष को दी बधाई

बुधवार को अखिल भारतीय सेवा संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित अध्यक्ष राकेश पाण्डेय उर्फ बबुआ भैया को उनके आवास पर जाकर माल्यार्पण कर बधाई दी। इस अवसर पर फूल चंद, गोकान सिंह, राम चौरसिया, राम लखन वर्मा, दिनेश कुमार यादव, सुनिल कुमार, प्रमोद,अवनिश कुमार, अरुण पटेल समेत संगठन पदाधिकारि एवं सदस्यगण मौजूद रहे।

देश के चौथे स्तम्भ को शुक्रिया

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट के संरक्षक परवेज आलम ने बधाई देते हुए कहा कि आप ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को पिछले कार्यकाल को गौरान्वित कराया है। अधिवक्ता साथियों के साथ ही देश के चौथे स्तम्भ को भी आप से उम्मीदें है। सब में एक नई उम्मीद जगी है एनयूजे परिवार की तरफ से शुभकामनांए कि आप का यह कार्यकाल एतिहासिक होगा।

———

जिला अध्यक्ष कुन्दल श्रीवास्तव ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा कि हमारा संगठन हमेशा न्याय के लिए लड़ा है और नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई। इसके साथ ही कहा कि हमारा संगठन हमेशा न्याय की लड़ाई में आप के साथ है।

सावन का व्यख्यान

(कुण्डलिया)

जीवन के प्रति प्रेम पर, सावन का व्याखान।
सुन्दरता को अर्थ दे,गाती मंगलगान।
गाती मंगलगान,ईश के प्रति श्रद्धा का।
एक सूत्र में बाँध,प्रकृति नारी परंपरा।
सुन लो कहें प्रदीप, यही है सत्य सनातन।
जिसमें ऋतु रति और, सभी ऋषि का है जीवन।।

सयंम श्रद्धा शान्ति हो, व्रत तीरथ अरु जाप।
सावन के श्रृंगार हैं, शिव का प्रेमालाप।
शिव का प्रेमालाप, शिवालय तक की यात्रा।
समझाती शिव-सार, बताकर दिव्य साधना।
सुन लो कहें प्रदीप, राह जो लगती दुर्गम।
सावन करता सहज,भजन कर रखकर संयम।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बीएससी (जीव विज्ञान व गणित) का अन्तिम वर्ष (VI Semester) की परीक्षा में सभी विद्यार्थी हुए सफल

मुजफ्फरनगर। माँ शाकुम्बरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर द्वारा बी०एस०सी० (विज्ञान) अन्तिम वर्ष (VI Semester) का परीक्षाफल घोषित किया गया, जिसमें एस० डी० कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मुजफ्फरनगर का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा। इस अवसर पर इन सभी विद्यार्थियों को प्राचार्य डा० सचिन गोयल एवं विभागाध्यक्ष डा0 मोनिका रूहेला द्वारा बी०एस०सी० (विज्ञान) अन्तिम सेमेस्टर की परीक्षा में उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थियों ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन का श्रेय अपने माता-पिता व महाविद्यालय के समस्त अध्यापकों को दिया।

बी0एस0सी0 (जीवविज्ञान समूह) से रेणु ने 83 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर तरूणा सोलंकी व आर्यन शर्मा ने संयुक्त रूप से 82 प्रतिशत अंक प्राप्त किये व तृतीय स्थान पर उमर गाजी ने 78 प्रतिशत अंको के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। बी0एस0सी0 (गणित समूह) से अनामिका ने 87 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर प्रियांशी चौधरी ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किये तथा अनमोल ने 76 प्रतिशत अंको के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा० मोनिका रूहेला व सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी प्रकार उन्नति करने हेतु प्रेरित किया।

प्राचार्य डा0 सचिन गोयल ने सभी विद्यार्थियों को उनके इस प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह सभी छात्र/छात्राओं एवं शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है ऐसा अवसर हमें छात्र/छात्राओं एवं शिक्षको के निरंतर प्रयासो के फलस्वरूप प्राप्त

हुआ है और भविष्य में भी सभी छात्र/छात्राओं को इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाये रखने के लिए आर्शीवाद दिया।

इस अवसर पर विज्ञान संकाय से डा0 महेन्द्र सिंह, डा० सौरभ जैन, डा0 नीरज कुमार, डा० ज्ञानेन्द्र कुमार पाण्डेय, मोनिका पंवार, रजत धारीवाल, ओंमकार सिंह, शेखर सिंह, वंशिका गुप्ता, शिखा पाल, वर्षा पांचाल, राखी धीमान, दीपक कुमार व मुसन्निफ आदि मौजूद रहे।

अन्न ही परब्रह्म स्वरुप हैः डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। गुरुवार की सुबह श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने अपने अनुग्रह भाषण में कहा कि अन्न ही परब्रह्म स्वरुप है। पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने स्थानीय श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के पुराने आश्रम के सौंदर्यीकरण के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। उनके अनुज मेहबूब पाशा, अहमद अली शाह और कबीर शाह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में पीठम के संयोजक श्री पेरुरी सूरीबाबू, पीठम केंद्रीय समिति की सदस्य श्रीमती पेरुरी कोमली, श्री एवीवी सत्यनारायण, पीठम के मुख्य अभियंता श्री एमआरके राजू और अन्य ने भाग लिया। पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने पुराने आश्रम में गुलाब उद्यान, मयूर उद्यान जहाँ अष्टम पीठाधिपति परब्रह्म श्री मोहिद्दीन बादशा ने इस दिन के शुभ मुहूर्त में हजारों लोगों को प्रवचन दिया करते थे, तथा नए आश्रम में मयूर उद्यान, पंचम पीठाधिपति श्री मोहिदीन बादशा कुटीर और पेरुरी विक्रम के अर्थ सहयोग से निर्मित लघु भोजन कक्ष का उद्घाटन किया। डॉ. उमर अली शाह ने नए आश्रम के सौंदर्यीकरण में योगदान देने वाले 27 परिवारों के सदस्यों को विशेष प्रसाद भेंट किया। आश्रम के सौंदर्यीकरण के तहत, गुलाब के पौधों के साथ-साथ नए आश्रम और पुराने आश्रम में अधिक ऑक्सीजन प्रदान करने वाले विभिन्न प्रकार के पौधे भी उगाए गए, जिससे विभिन्न उद्यानों युक्त दोनों आश्रमों में सुखद व प्रदूषण वातावरण बनाने में मदद मिली है। पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि इससे आश्रम में आने वाले सदस्यों को मानसिक शांति, स्वास्थ्य, खुशी और संतुष्टि मिल पा रही है जो उन्हें करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी नहीं मिलती। उन्होंने बताया कि उनकी अध्यक्षता में प्रत्येक गुरुवार शाम 4.30 से 6.30 बजे तक ज्ञान-जागरूकता संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। बैठक की शुरुआत प्रार्थना से होगी और समापन विशेष गुरुवार बैठक में आरती के साथ होगा।

खेत में काम करने गए किसान की गोली मारकर हत्या गांव में दहशत का माहौल पुलिस जांच में जुटी

खतौली। क्षेत्र अंतर्गत गांव अंती में गुरुवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे गांव को दहला दिया। खेत में काम करने गये एक किसान को घात लगाए बदमाशों ने गोली मार दी, जिससे उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत और गुस्से का माहौल बन गया आपको बताते चले कि जनपद मुजफ्फरनगर के कस्बा खतौली के गांव अंती निवासी संजय पुत्र चतर सिंह बुधवार तड़के अपने खेत में गन्ना बंधवाने गया था। तभी खेत में पहले से ही छिपे बैठे करीब पांच बदमाशों ने उस पर अचानक हमला कर दिया। बदमाशों ने संजय को निशाना बनाते हुए गोली मार दी, जिससे वह लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर पड़ा। गोली की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल संजय को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे बेगराजपुर मेडिकल सेंटर रेफर किया गया। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने संजय को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं मौके पर पहुंचे एसपी सिटी सत्यपाल प्रजापत के निर्देशन में पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है और घटना के कारणों की गंभीरता से जांच की जा रही है। गांव अंती में इस हत्याकांड के बाद से भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस के प्रति नाराजगी है। पुलिस ने गांव में गश्त बढ़ा दी है और संदिग्धों से पूछताछ भी की जा रही है। इस दर्दनाक घटना ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं मृतक किसान के परिजनों में कोहराम मचा है। ग्रामीणों ने हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

संपूर्ण रामायण अखंड पाठ का आयोजन दुर्गा मंदिर जसरा में किया गया

प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान अयोध्या, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित गोस्वामी तुलसीदास जयंती के उपलक्ष में दो दिवसीय संपूर्ण रामायण अखंड पाठ का आयोजन दुर्गा मंदिर रेरा ,जसरा, प्रयागराज में किया गया।

कार्यक्रम में मंदिर के महंत,उमेश चंद मालवीय जी के मंत्र उच्चारण के साथ अखंड रामायण पाठ प्रारंभ हुआ जो बुधवार को सुबह 8रू00 बजे से प्रारंभ होकर बृहस्पतिवार 11रू00 बजे पूर्ण हुआ इसके बाद हवन, प्रसाद वितरण किया गया कार्यक्रम संयोजक निखिलेश मालवीय, व अन्य सहयोगी अंकुर मालवीय, अनिल यादव, देवेंद्र द्विवेदी, आदि जनों की उपस्थिति में अखंड रामायण पाठ संपन्न हुआ।

जिला शामली में आयोजित होने वाले शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम को लेकर जबरदस्त उत्साह

मुजफ्फरनगर। आगामी 3 अगस्त, दिन रविवार को शामली स्थित मेपल्स अकेडमी में आयोजित होने वाले शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम आजकल जिला शामली में अलग-अलग जगह चर्चा का विषय बना हुआ है और इस कार्यक्रम को लेकर चारों तरफ लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

शामली वासियों का मानना है कि शामली क्रांतिकारियों एवं बलिदानियों की भूमि के रूप में जाना जाता है और यहां से पूर्व में अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से भिन्न-भिन्न मुद्दों पर आवाज उठाई गई जिसकी गूंज पूरे हिंदुस्तान में सुनाई दी, ऐसा ही विश्वास शामली के लोग इस कार्यक्रम को लेकर जाता रहे हैं।

शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के संस्थापक एवं शामली कार्यक्रम के सूत्रधार शिक्षक नेता डॉ. कुलदीप मलिक के अनुसार कार्यक्रम के आयोजन को लेकर जिस तरह से आदरणीय प्रदीप कुमार जी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया और उस टीम ने पूरी प्रतिबद्धता एवं समर्पण भाव से पूरे जिले में कार्यक्रम को लेकर जो कार्य किया है आज उसी का ही परिणाम है कि आगामी शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम जिला शामली के शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले हर एक इंसान के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है और सभी लोग कार्यक्रम में अपनी हिस्सेदारी देने के लिए उत्साहित है।

डॉ मलिक में विश्वास जताया कि इस कार्यक्रम की गूंज आने लखनऊ एवं दिल्ली में सत्ता के गलियारों गूंजेगी और यह गूंज शिक्षा क्षेत्र को नई दशा एवं दिशा देने का काम करेगी।

कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप कुमार जी के अनुसार कार्यक्रम को लेकर शनिवार को कार्यक्रम स्थल पर एक अंतिम बैठक का आयोजन किया जाएगा जिसमें कार्यक्रम के आयोजन को लेकर कि गई तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस बैठक में शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के संस्थापक श्री डॉ. कुलदीप मलिक सहित कार्यक्रम के 11 सहसंयोजक श्री मुकेश संगल, डॉ. पुनीत कुमार, श्री प्रवीण कुमार, श्री नीरज बेनीवाल, श्री पुष्पेंद्र हुड्डा, श्री फूल कुमार, श्री योगेश राठी, श्री रोहित राणा, श्रीमती पूनम तोमर श्री अभिषेक भारद्वाज, श्री मनीष कालखंडे के अलावा कार्यक्रम की मीडिया प्रभारी श्री कंवर पाल जी की भागीदारी रहेगी।

उत्तर मध्य रेलवे
Letter No: 164/Med/MRI/EOI/2025/1 Dated: 29.07.2025
अभिरुचि की अभिव्यक्ति
केन्द्रीय चिकित्सालय,उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में बहिरंगों द्वारा (M.R.I.) एम.आर.आई. की सेवाएं प्रदान करने हेतु विज्ञापन।
केन्द्रीय चिकित्सालय,उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में चिकित्सा निदेशक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के सूत्राधार बहिरंगों द्वारा (M. R.I.) एम.आर.आई. जाँच की सेवाऐं प्रदान करने हेतु सेंटर संचालकों से "अभिरुचि की अभिव्यक्ति" विज्ञापन का आमंत्रण (प्रयागराज के नाम एनबीएल/एनबीएस सी. जी. एच. एस. 2024 के अनुसार) किया जा रहा है। सभी इच्छुक सेंटर संचालकों से अनुरोध है,कि विज्ञापन प्रकाशित होने के 10 दिनों के अंदर सभी कार्य-दिवसों पर पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक केन्द्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के कार्यालय में उपलब्ध "ई.ओ.आई." के निर्धारित प्रोफार्मा में भरकर जमा कर दें ऐसा प्रोफार्मा उत्तर मध्य रेलवे के वेबसाइट में भी उपलब्ध है। प्रार्थना - फार्म में उपलब्ध सभी मापदण्ड,निबंधन एवं शर्तों के अनुसार उपलब्ध कार्य का विवरण दें।
1338/25 (D) चिकित्सा निदेशक, केन्द्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय........

थकी-तनावग्रस्त पीढ़ी

अपने हालिया अध्ययन में यूरोपीय आयोग ने चिंता जताई है कि सोशल मीडिया पर अतिसक्रियता से युवा पीढ़ी तनाव व थकान से जूझ रही है। इस संकट को लेकर भारतीय समाजविज्ञानी, चिकित्सक व मीडिया भी लंबे समय से चेतावनी देता रहा है। लेकिन जब कोई मुहिम व अध्ययन पश्चिमी जगत से आता है तो हम उसे विशेष महत्व देने लगते हैं। अब जब यूरोपीय आयोग जेनरेशन जेड को लेकर अपने निष्कर्ष सामने ला रहा है तो भारत में नये सिरे से उसकी चर्चा होने लगी है। विडंबना यह है कि पिछली सदी के अंतिम वर्षों से लेकर इस सदी के पहले दशक में पैदा हुए बच्चों की यह पहली पीढ़ी है, जिसे कम उम्र में ही सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से रूबरू होने का मौका मिल गया था। यह पीढ़ी पारंपरिक मानकों को चुनौती देकर अपना नया आकाश तलाशने की जद्दोजहद में जुटी रही है। इस पीढ़ी ने परंपरागत जीवन मूल्यों को तिलांजलि देकर अपनी महत्वाकांक्षाओं को अंजाम दिया। साथ ही नये नजरिये की जीवनशैली का अंगीकार किया। यह पीढ़ी डिजिटल युग के साथ कदमताल करती नजर आई। इंटरनेट के विस्तार के साथ वह सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों के साथ सहज दिखी। लेकिन काल्पनिक धरातल पर उगा सोशल मीडिया इस पीढ़ी को यथार्थ से बहुत दूर ले गया। फलतरू कठोर यथार्थ से जूझते हुए यह पीढ़ी कल्पना व वास्तविकता के द्वंद्व के चलते तनाव व असहजता के भंवर में जा फंसी। इस बात की पुष्टि यूरोपीय आयोग का अध्ययन भी करता है। आयोग कहता है कि लगातार सोशल मीडिया में सक्रियता के चलते युवाओं में चिंता, मानसिक थकान, कुछ खोने का भय व मोबाइल में चिपके रहने की विसंगतियां सामने आई हैं। यहां उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 के विश्व खुशी सूचकांक रिपोर्ट में भी इन खतरों की तरफ इशारा किया गया था। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि युवा वर्ग सबसे अधिक दुखी है। चौंकाने वाली बात यह थी कि उनमें तनाव व डिप्रेशन की वजह पढ़ाई या कैरियर की चिंता नहीं थी बल्कि इसकी मूल वजह सोशल मीडिया ही था। वास्तव में हमने कोरोना संकट से उबरने के लिये जिस ऑनलाइन व्यवस्था को अस्त्र के रूप में अपनाया था, कालांतर वह ही शस्त्र बनकर युवा पीढ़ी को जख्मी करने लगा। उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के दौरान जब संचार बंदी लागू हुई तो पूरी दुनिया में जनजीवन ठप पड़ गया। जिसके चलते घरों में कैद लोगों को इंटरनेट ही अंतिम सहारा नजर आया। धीरे-धीरे युवाओं का जीवन इंटरनेट पर बहुत ज्यादा आश्रित हो गया। जहां छात्रों की पढ़ाई ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भर हो गई, वहीं मनोरंजन की दुनिया भी मोबाइल आदि तक सिमट कर रह गई। वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिये शिक्षा व कैरियर का दबाव यथावत बना रहा। लेकिन एक हकीकत यह है कि जीवन व्यवहार में सब कुछ ऑनलाइन हो पाना संभव नहीं है। जीवन तो हमारी कठोर वास्तविकता और सामाजिक सहभागिता से ही चलता है। वैसे फिलहाल हमारा वैश्विक परिवेश भी कम उथल-पुथल वाला नहीं है। जब तक दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कोरोना काल में लगे झटके से उबर पाती, दुनिया में कई युद्धों व क्षेत्रीय संघर्षों ने पूरी दुनिया की आर्थिकी की स्वाभाविक गति को रोक दिया। निस्संदेह, रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष व इस्राइल तथा ईरान के बीच हुए संघर्ष ने विश्व विकास की स्वाभाविक गति को बाधित किया, जिसका नकारात्मक प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ा। वहीं वैश्विक टकराव के अलावा युवाओं के अपने राष्ट्रों की विषम स्थितियां व जलवायु परिवर्तन के कारकों के चलते रोजगार के सिमटते अवसरों ने भी नई पीढ़ी को हताश किया। इसके बावजूद युवा पीढ़ी उस सोशल मीडिया में लिप्त रही, जिसका जीवन की ठोस वास्तविकताओं से कोई लेना-देना नहीं है। ऐसे में यथार्थ से जूझते वक्त युवाओं का हताश व निराश होना स्वाभाविक ही है। कालांतर में उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ।

अच्छी अर्थव्यवस्था का हाल

अरविन्द मोहन

आज अर्थव्यवस्था को लेकर जो नई स्थिति बनी है और जिसके प्रभाव आने शुरू हो चुके हैं, वे सभी मोदी जी और उनकी टोली के वश के नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी राजनैतिक फौज जिस तेजी से हमारी अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन तक पहुंचने और भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के दावे कर रहे हैं, वह लक्ष्य लगातार दूर भागता लग रहा है। यह काम कोविड के पहले से किया जा रहा है और इसमें नोटबंदी से अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान को छुपाना और इसमें एक अपराध भाव से निपटना भी था। लेकिन कोविड ने और उस दौरान उठाए कदमों ने भी स्थिति बिगाड़ी और अब जबकि अर्थव्यवस्था के पटरी पर आ जाने का दावा किया जाने लगा है, तब फिर से जो आंकड़े सामने आ रहे हैं या जो भविष्यवाणियां की जा रही हैं वे दुनिया में सबसे तेज विकास दर, पांच ट्रिलियन के जीडीपी और विश्व गुरु बनने के दावों को शक के दायरे में ला रहे हैं। सबसे ताजा आंकड़ा तो करखनिया उत्पादन दर (जो डेढ़ फीसदी पर पहुंच गया है) में गिरावट और देश कई सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस में भारी छंटनी की है। कुछ दिनों से उपभोक्ता उत्पादन कंपनियों के मुनाफे और बिक्री में कमी, कई खबरें भी आ रही हैं और कार बाजार के अनबिके कारों का बोझ बढ़ रहा है। इससे जुड़ी खबर यह भी है कि बड़ी कारों और स्पोर्ट्स व्हीकल का बाजार तेज है, एक-दो कमरे वाले फ्लैट की बिक्री नहीं है और बड़े घरों की मांग बढ़ी है। अर्थात समाज के एक वर्ग में अमीरी बढ़ रही है, बाकी लोगों की क्रयशक्ति गिर रही है। अब अर्थव्यवस्था के संचालन का जिम्मा तो ग्यारह साल से मोदी जी और उनकी टीम का है और वे सत्ता में आए भी थे बहुत भयंकर आर्थिक वायदों के साथ। उनकी याद दिलाने का अब कोई मतलब नहीं है क्योंकि यह तीन चुनाव पहले की बात है और अमित शाह जैसा सीनियर आदमी उन्हें जुमला करार दे चुका है। आज अर्थव्यवस्था को लेकर जो नई स्थिति बनी है और जिसके प्रभाव आने शुरू हो चुके हैं, वे सभी मोदी जी और उनकी टोली के वश के नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प महाराज जो कुछ कर रहे हैं उस दवाई से अमेरिकी अर्थव्यवस्था के ही हाल बुरे हैं और उसका विकास दर ऋणात्मक हो चुका है। अमेरिका तो काफी दम वाला है। वह गिरते-पड़ते भी कितने ट्रम्प के मिस-एडवेंचर को बर्दाश्त कर जाएगा। लेकिन हम भारत के लोग ही नहीं दुनिया भर कई छोटी अर्थव्यवस्थाओं का क्या हाल होगा? यह कल्पना करना मुश्किल है। और अमेरिका हम पर प्रभाव डालता है और अभी भी उससे व्यापार वार्ता चल ही रही है पर वह थोड़ा दूर है। उसके मुकाबले खड़ा हो रहा चीन तो हमारा पड़ोसी है जो व्यापार समेत हर तरह से हमें प्रभावित करने के साथ हमारी जमीन पर पसरने की हसरत भी रखता है। जब तब उससे सीमा पर टकराव ही नहीं होता, पाकिस्तान (ही नहीं नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश से भी) से टकराव के वक्त वह हरवा-हथियार के साथ पाकिस्तान कई तरफ से लड़ाई में लग जाता है। चीन का नेतृत्व किसी भी मामले में विश्वसनीय नहीं है। अब हमारे मोदी जी की दिक्कत यह है कि वे अमेरिका जाकर ट्रम्प का प्रचार कर आते हैं और साबरमती तीरे जिनपिंग के साथ झूला झूलते हैं(जाहिर तौर पर इन चीजों का राजनैतिक लाभ भी लेते हैं) लेकिन आर्थिक मामलों में इन दो महाशक्तियों की होड़ का, एक से दूरी और दूसरे से पास होने कई भौगोलिक अवस्थिति का और पूंजी-श्रम-तकनीक के मामले में बेहतर स्थिति का लाभ नहीं ले पाते। उलटे हमें गाहे बेगाहे अमेरिका से बेमतलब हथियारों कई खेप खरीदनी पड़ती है और संघी स्वदेशी की लाख नकली तलवार तानने के बावजूद चीन के साथ व्यापार घाटा लाख करोड़ से ऊपर पहुंच गया है। इसके बावजूद आपको पास उसे चीन से निवेश के समझौते करने, उसे अमेरिका के आगे टैक्स दरों की चिरौरी करने और अवांछित आयात पर सहमत होना पड़ता है। ट्रम्प जो जो चाहते थे वह भारत पूरा करता दिख रहा है, बगैर किसी स्पष्ट लाभ के। और अब वह यह भी यह बताने जा रहे हैं कि आप तेल समेत दूसरे आयात कहां से करें, कहां से न करें। आप किस करेंसी में व्यापार करें किसमें नहीं और किसे मित्र बनाएं, किसे नहीं। हम इन बातों को मानने के लिए दो वजहों से मजबूर हो सकते हैं। एक वजह तो देश में निवेश का स्तर सबसे निचले स्तर पर आ जाना है। संरचना क्षेत्र पर जनता के कर के पैसे से गुलछर्रे उड़ाने के अलावा किसी बड़े उत्पादक काम में पैसा नहीं लगाया गया है- मनमोहन राज में बिजली उत्पादन की जबरिया लदी योजना चली लेकिन आज सड़क, सुरंग, पुल, मूर्तियां, कॉरिडोर, बिल्डिंग के अलावा बाकी काम नदारद हैं। और लोगों को काम तथा कमाने का अवसर देने की जगह पांच किलो अनाज और मुफ्त खिचड़ी का राजनैतिक लाभ लेने में देसी बाजार को चौपट कर दिया गया है। मांग ही नहीं बची है। मुद्रास्फीति की दर रोज गिरने का रिकार्ड बना रही है लेकिन जेब में पैसे हों तब तो कोई बाजार आएगा। इनकम टैक्स में छूट का नकली फार्मूला भी बाजार में मांग नहीं पैदा कर सका है। रोजगार का सीधा अवसर तो नहीं ही बना है, नोटबंदी और साथ आई जीएसटी की व्यवस्था ने खेती, पशुपालन, उत्पादन और रोजगार चौपट कर दिए। सारा कुछ इंफार्मल से फार्मल क्षेत्र में आ रहा है। नई तकनीक इसमें मददगार हो गई है। और भले रोज जीएसटी कलेक्शन के नए रिकार्ड का दावा हो, बाजार सूने होते जा रहे हैं-खासकर गांव, छोटे शहरों और मुहल्लों के। अगर किसान सैकड़ों की संख्या में जान देकर और साल भर से ज्यादा कष्ट सहकर नहीं अड़े होते तो अब तक खेती-किसानी में भी यही दृश्य आ गया होता। यह काम धीरे-धीरे चल रहा है और अभी भी मानसून तथा किसानों का श्रम अर्थव्यवस्था और सरकार को सहारा दिए हुए है।

संघ कुनबे में अब भागवत नहीं, मोदी ही सर्वशक्तिमान

अनिल जैन

यह बहस का बिल्कुल बेमानी है कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सुप्रीमो मोहन राव भागवत 75 वर्ष के हो जाने पर अपना पद छोड़ देंगे? दोनों ही नेता आगामी कुछ दिनों बाद अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे करने वाले हैं। इस बहस का आधार यह रहा है कि 11 साल पहले भाजपा में नरेन्द्र मोदी और अमित शाह का युग शुरू होने के बाद भाजपा के कई दिग्गज नेताओं को इस आधार पर मार्गदर्शक बनाकर घर बैठा दिया गया था कि उनकी उम्र 75 साल से ज्यादा हो गई है। मोदी और शाह के इस फैसले को उस समय संघ नेतृत्व ने भी मौन समर्थन दिया था। जिन नेताओं को 75 साल का होने पर मार्गदर्शक मंडल नामक कूड़ेदान में डाला गया था, उनमें लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, शांता कुमार, जसवंत सिंह, यशवंत सिन्हा आदि शामिल थे। इन नेताओं को किनारे करने के बाद भी मोदी और शाह ने अगले पांच साल तक यह अभियान जारी रखा और 2019 के लोकसभा चुनाव में कई नेताओं को 75 साल का होने पर घर बैठाया। हालांकि ऐसे कई नेताओं को, जो मोदी और शाह की गुडबुक्स में थे, उन्हें राज्यपाल बनाकर उनका पुनर्वास कर दिया गया। उनमें से कई नेता तो 80 साल से ज्यादा के होने बावजूद राज्यपाल बने रहे और आनंदीबेन पटेल तो अभी 84 साल की उम्र में भी उत्तर प्रदेश की राज्यपाल बनी हुई हैं। हालांकि 2019 से 2024 आते-आते 75 साल की उम्र में नेताओं को घर बैठाने का यह पैमाना खत्म हो गया। भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में ऐसे कई नेताओं को उम्मीदवार बनाया जो 75 वर्ष के करीब थे या 75 पार कर चुके थे। केरल में 2021 के विधानसभा चुनाव में तो पार्टी ने रिटायर्ड नौकरशाह ई. श्रीधरन को 89 वर्ष की उम्र में न सिर्फ विधानसभा चुनाव लड़ाया था बल्कि उन्हें मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर भी प्रस्तुत किया था। बहरहाल, कहने का आशय यह है कि भाजपा के संविधान में 75 वर्ष की आयु सीमा वाला कोई प्रावधान नहीं है। अटल बिहारी वाजपेयी 1998 में दूसरी बार 74 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे और 79 वर्ष की उम्र तक उस पद पर बने रहे थे। लालकृष्ण आडवाणी भी 2004 में 77 वर्ष की उम्र में लोकसभा में नेता विपक्ष बने थे और 2009 के लोकसभा चुनाव में भी वे एनडीए की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे। जहां तक संघ की बात है, उसका तो कोई संविधान ही नहीं है और वहां सब कुछ परंपरा के आधार पर चलता है। संघ के तीसरे सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस ने 81 वर्ष की उम्र में बीमारी की वजह से पद छोड़ा था। उनके बाद सरसंघचालक बने प्रोफेसर राजेंद्र सिंह उर्फ रज्जू भैया ने 78 वर्ष की उम्र में बीमारी की वजह से ही पद छोड़ा था। उनके बाद पांचवे सरसंघचालक केएस सुदर्शन से भी 81 वर्ष की उम्र में पद छुड़वाया गया था। इसलिए कोई कारण नहीं है कि मोहन भागवत 75 वर्ष पूरे करने पर पद छोड़ दें। दरअसल मोहन भागवत का 75 वर्ष पूरे होने पर रिटायर होने का सुझाव परोक्ष रूप से मोदी को निशाना बनाकर ही दिया गया था, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि पूरा संघ अब मोदी से छुटकारा पाना चाहता है। यही वजह है कि भागवत के बयान के तीसरे ही दिन उस पर संघ की ओर से सफाई दी गई कि भागवत के बयान का प्रधानमंत्री मोदी से कोई संबंध नहीं है। हालांकि इस सफाई में यह स्पष्ट नहीं हुआ कि यह सफाई आरएसएस के किस पदाधिकारी या प्रवक्ता ने दी है। पूरी खबर संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के हवाले से दी गई है लेकिन उस वरिष्ठ पदाधिकारी का नाम खबर में कहीं नहीं दिया गया। जाहिर है कि यह बेनामी सफाई एक तरह से मीडिया में रोपी हुई खबर थी, जो यह बताती है कि संघ में भी सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है और भाजपा के मौजूदा शीर्ष नेतृत्व पर भी संघ का अब वैसा काबू नहीं रह गया है, जैसा एक दशक पहले तक हुआ करता था। दरअसल नरेन्द्र मोदी कभी भी संघ की स्वाभाविक पसंद नहीं रहे। भाजपा की राजनीति में आडवाणी को किनारे कर दिए जाने के बाद संघ ने नितिन गडकरी को भविष्य के नेता के तौर पर आगे किया था। संघ चाहता था कि भाजपा 2014 का चुनाव गडकरी की अगुवाई में ही लड़े। इसलिए उन्हें पार्टी अध्यक्ष का दूसरा कार्यकाल देने का फैसला भी संघ कर चुका था, परंतु आडवाणी खेमा यूपीए सरकार के वित्त मंत्री पी.चिदंबरम की मदद से गडकरी के कारोबारी ठिकानों पर आयकर के छापे डलवा कर उन्हें विवादास्पद बनाते हुए अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर करने में कामयाब हो गया था। उधर मोदी पहले से ही दिल्ली की राजनीति में कूदने के लिए तैयारी कर रहे थे। उन्होंने अपने कॉरपोरेट शुभचिंतकों और उनके द्वारा पोषित मीडिया के जरिये ऐसा माहौल बनवा दिया था कि अब मोदी ही भाजपा को सत्ता तक ले जा सकते हैं। चूंकि 2014 के चुनाव में ज्यादा समय नहीं बचा था लिहाजा संघ को मजबूरी में मोदी के नाम पर सहमत होना पड़ा। भाजपा ने 2014 का चुनाव मोदी के नेतृत्व में लड़ा और पूर्ण बहुमत के साथ वह सत्ता में आई। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी और मोहन भागवत की जुगलबंदी लंबे समय तक चली। इसी जुगलबंदी के चलते ही न सिर्फ संघ के भौतिक संसाधनों में अथाह बढ़ोतरी हुई, बल्कि संघ के पदाधिकारियों और प्रचारकों की जीवनशैली में भी आमूल-चूल बदलाव आया। सरकार के स्तर पर संघ के एजेंडा पर तेजी से अमल होने लगा। सत्ता और संगठन के पदों पर भी संघ की लगभग हर पसंद को प्राथमिकता दी गई। मगर इस बीच दूसरी ओर मोदी ने मीडिया की मदद से अपने कद को ऊंचा कर लिया कि संघ ही नहीं बल्कि भाजपा सहित संघ के सभी आनुषंगिक संगठन उनके आगे बौने नजर आने लगे। जिस भाजपा में कुछ साल पहले तक संघ की मर्जी के बगैर पत्ता भी नहीं खड़कता था, वहां देखते ही देखते स्थिति यह बन गई कि मोदी और शाह ने जिसको चाहा उसे मुख्यमंत्री, मंत्री और राज्यपाल बनाया। कई मामलों में संघ की सलाह अथवा पसंद को दोनों नेताओं ने बड़े आराम से नजरअंदाज किया। इस सिलसिले में पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के पहले भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के उस बयान को भी देखा जा सकता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा अब आत्मनिर्भर हो चुकी है और उसे अब चुनाव जीतने के संघ की जरूरत नहीं रह गई है। हालांकि बाद में उन्होंने सफाई दी कि उनके कहने का वह आशय नहीं था जो समझा गया, लेकिन मोदी जो संदेश संघ नेतृत्व को देना चाहते थे वह उन्होंने जेपी नड्डा से दिलवा दिया।

हिंदी भाषा

हिंदी है अपनी भाषा प्यारी,
सब भाषाओं से है न्यारी।
मां के जैसी बोल सुहानी,
हर दिल को लगती है जानी।
हिंदी से हम भाव जताते,
दिल की बात सरल बताते।
जिसने हिंदी को अपनाया,
संस्कृति का रतन वह पाया।
आओ मिलकर काम यह करें,
हिंदी का हम मान बढ़ाएं।
सब मिलकर एक साथ
भारत भूमि की जय जय गाए ।।

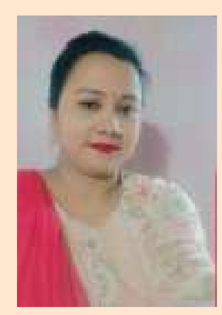

-शबाना खातून

गृहमंत्री का स्तरहीन, खोखला भाषण

प्रेम शर्मा

शायर शहाब जाफरी का बड़ा मशहूर शेर है- तू इधर उधर की न बात कर ये बता कि कफिले क्यूं लुटे तिरी रहबरी का सवाल है हमें राहजन से गरज नहीं। इन पंक्तियों को संसद में चर्चा के दौरान कई बार अलग-अलग नेताओं ने उद्धृत किया है। सोमवार और मंगलवार दोनों दिन जब सत्ता पक्ष के लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में अपनी बात रखी तो फिर इन्हीं पंक्तियों की याद आई। रहबरी यानी पथप्रदर्शक और राहजन यानी लुटेरा, डाकू। अगर रास्ता बतलाने वाले में काबिलियत हो तो फिर काफिला सुरक्षित अपनी मंजिल तक पहुंच जाता है, लेकिन रहबर अगर इधर-उधर की बहानेबाजी करता रहे तो फिर काफिला लुटने से भला कौन रोक सकता है। देश का हाल फिलहाल लुटते काफिले जैसा ही हो चुका है। हमारी सीमाओं की सुरक्षा पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। चीन की तरफ से तो घुसपैठ की कोशिशें चलती ही रहती हैं। इसके अलावा बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान हर तरफ से चीन हमें घेरने की फिराक में है। पाकिस्तान की तरफ से भी आतंकवाद बढ़ाने का खतरा बना ही हुआ है। ताजा उदाहरण पहलगाम है, जिसमें निर्दोष पर्यटकों की बेरहमी से जान ले ली गई। इतनी गंभीर चूक और भयावह घटना होने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी इस पर राजनैतिक लाभ लेने में लगे हुए हैं। देश से लेकर विदेशों तक कई मंचों से उन्होंने आतंकवाद पर बड़ी-बड़ी बातें कीं, लेकिन न सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए, न संसद में। जब इस गंभीर मुद्दे पर चर्चा की शुरुआत हुई तो श्री मोदी वहां उपस्थित रहे। पहले दिन सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस मुद्दे पर अपना भाषण दिया, और मंगलवार को गृहमंत्री अमित शाह ने भाषण दिया। इस बीच सत्ता पक्ष से कई और सांसदों और मंत्रियों ने भाषण दिया। लेकिन उनमें तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा गया। वहीं विपक्ष की तरफ से उठाए सवालों में से एक का भी जवाब नहीं दिया। रक्षा मंत्री समेत सत्ता पक्ष के तमाम सांसदों के भाषण में बार-बार विपक्ष को निशाने पर लिया गया। अनुराग ठाकुर ने लश्करे राहुल जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। वहीं अमित शाह की भी पूरी कोशिश रही कि वे सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अखिलेश यादव जैसे उन विपक्षी नेताओं को निशाने पर लें जिनकी वजह से भाजपा को लोकसभा चुनाव में बड़ा नुकसान हुआ है। अमित शाह ने यूपीए सरकार में हुए आतंकी हमले गिनाए, उस वक्त के आतंकवादियों के नाम लिए, हुर्रियत का जिक्र किया, और बाटला हाउस मुठभेड़ का जिक्र करते हुए कहा कि बाटला हाउस की घटना पर सोनिया जी रो पड़ीं। रोना था तो शहीद मोहन सिंह के लिए रोते। आतंकियों के लिए इनको रोना आता है। इनको आतंक को लेकर कुछ भी पूछने का कोई अधिकार नहीं है। गृहमंत्री के इस तथ्यहीन और स्तरहीन भाषण को सुनकर अफसोस होता है कि आतंकवाद जैसा गंभीर मसला भाजपा ने सस्ती राजनीति का हथियार बना लिया है। यूपीए सरकार में विदेश मंत्री रहे सलमान खुर्शीद के हवाले से यह बात फैलाई गई थी कि बाटला हाउस मुठभेड़ पर सोनिया गांधी को रोना आया था। जबकि खुद सलमान खुर्शीद ने एबीपी न्यूज चौनल के मंच पर इस बात से इंकार किया है कि उन्होंने ऐसा कोई बयान दिया था। दूसरी बात सोनिया गांधी खुद आतंकवाद की पीड़िता हैं। राजीव गांधी और इंदिरा गांधी के हत्यारे मुस्लिम नहीं थे क्या इसलिए भाजपा उन्हें आतंकवादी नहीं मानती है, यह सवाल भाजपा से किया जाना चाहिए। क्योंकि इन दोनों की नृशंस हत्या वैश्विक बिरादरी में आतंकवादियों द्वारा की गई हत्या के तौर पर ही गिनी जाती है। तीसरी बात सोनिया गांधी या संसद में बैठे तमाम विपक्षी सांसद चुने हुए जनप्रतिनिधि ही हैं, इसलिए उन्हें भी आतंकवाद पर बात करने का उतना ही हक है जितना भाजपा को है। अमित शाह ने केवल इस मसले पर ही मिथ्यावचन नहीं किया। कश्मीर के हालात पर यूपीए और मौजूदा दौर की तुलना करते हुए अमित शाह ने कहा कि 2024 में पथराव की घटनाएं जीरो हो गईं, ऑर्गेनाइज्ड हड़ताल तीन साल से जीरो है, नागरिकों की मृत्यु तीन साल से जीरो है। जब पथराव और हड़ताल न होने का श्रेय अमित शाह ले रहे हैं तो फिर अब तक पहलगाम हमले की जिम्मेदारी उन्होंने क्यों नहीं ली। वहीं नागरिकों की मृत्यु को शून्य बताना भी उन तमाम लोगों के बलिदान का मजाक है, जिनकी जान पाकिस्तान की तरफ से हुए हमलों में गई है। भारत-पाक विभाजन, सुरक्षा परिषद की सदस्यता न मिलना, राजीव गांधी फाउंडेशन का चीन से करार, 62 का युद्ध, 71 की लड़ाई के बाद शिमला समझौता इतिहास की इन तमाम घटनाओं को तोड़ मरोड़ कर अमित शाह ने वैसे ही पेश किया जो भाजपा के लिए लाभकारी हो। संसद में झूठ शब्द असंसदीय सूची में डाला गया है, लेकिन अफसोस कि झूठी बातों को असंसदीय बताकर रोकने की कोई कोशिश लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने नहीं की। चीन और पाकिस्तान से कांग्रेस खासकर गांधी परिवार का प्रेम साबित करने वाले अमित शाह भूल गए कि शी जिनपिंग के साथ झूला मोदीजी ने झूला है और गलवान के बाद चीन को नाम लेकर ललकारने की हिम्मत उन्होंने नहीं दिखाई। पाकिस्तान से श्री मोदी ही बिन बुलाए या बिन बताए गए थे और अभी हाल में अमित शाह के बेटे जय शाह पाकिस्तान के क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के साथ बैठकर मैच देख रहे थे, जबकि अफरीदी ने बार-बार भारत के खिलाफ बातें की हैं। लेकिन भाजपा सत्ता में होने का फायदा उठाते हुए अपनी इन हरकतों को बड़ी आसानी से दबा देती है और कांग्रेस को घेरने के लिए गड़े मुर्दे उखाड़ती है। अमित शाह ने संसद में खड़े होकर धार्मिक नफरत का बयान भी दिया। अखिलेश यादव जब उनके भाषण के बीच में टोक रहे थे, तो अमित शाह ने कहा कि अखिलेश जी बैठ जाइए मेरा पूरा जवाब सुनिए आपको सब समझ में आ जाएगा, भाई आप आतंकवादियों का धर्म देखकर दुखी मत होइए। बताने की आवश्यकता नहीं कि यहां अमित शाह धर्म का जिक्र कर मुसलमानों पर उंगली उठा रहे थे और अखिलेश यादव को घेर रहे थे। गृहमंत्री ने यह भी कहा कि ये (विपक्ष) पूछ रहा था कि बैसरन के आतंकी कहां गए, तो मैं बताता हूं कि हमारी सेना ने उन्हें ठोक दिया है। दरअसल सोमवार को सेना ने ऑपरेशन महादेव के तहत तीन आतंकियों को मार गिराया है, अमित शाह ने मंगलवार को सदन में बताया कि यही पहलगाम के आतंकी थे। अब सवाल ये है कि आखिर अप्रैल से जिन आतंकियों के बारे में सरकार कुछ बोल नहीं रही थी कि वे कहां हैं, पकड़े गए या नहीं, उन्हें उसी दिन मारा गया, जब संसद सत्र में इस पर सवाल उठ रहे थे, ये महज संयोग है या भाजपा का कोई नया प्रयोग है। अखिलेश यादव ने अपने भाषण में इस मुद्दे को उठाया है। हालांकि विपक्ष के सवालों का जवाब देना भाजपा की रवायत अब नहीं है।

टीवी में योगदान के लिए रूपाली गांगुली को मिला इंस्पायरिंग वुमन लीडर्स वेस्ट का सम्मान

> अब महिलाओं द्वारा बराबरी, सबको साथ लेकर चलने और बदलाव लाने के इस मौके पर रूपाली गांगुली इंस्पायरिंग वूमेन लीडर्स वेस्ट २०२५ इवेंट में शामिल होंगी। वहां वो उन महिलाओं के साथ मंच साझा करेंगी, जो समाज में अच्छा बदलाव ला रही हैं। रूपाली गांगुली सच में औरतों की ताकत की मिसाल हैं।

भारत की सबसे बड़ी टीवी स्टार रूपाली गांगुली आज हर घर में एक जाना–पहचाना नाम बन चुकी हैं। उनकी शानदार अदाकारी और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए लोग उन्हें बेहद पसंद करते हैं। उन्होंने कई चर्चित टीवी शोज में काम किया है, लेकिन अनुपमा के किरदार ने उन्हें जिस ऊंचाई पर पहुंचाया, वो किसी मिसाल से कम नहीं। इस भूमिका ने न सिर्फ भारत में बल्कि दुनिया भर में उन्हें जबरदस्त फैन फॉलोइंग दिलाई है। अब महिलाओं द्वारा बराबरी, सबको साथ लेकर चलने और बदलाव लाने के इस मौके पर रूपाली गांगुली इंस्पायरिंग वूमेन लीडर्स वेस्ट 2025 इवेंट में शामिल होंगी। वहां वो उन महिलाओं के साथ मंच साझा करेंगी, जो समाज में अच्छा बदलाव ला रही हैं। रूपाली गांगुली सच में औरतों की ताकत की मिसाल हैं। इसी भावना को दिखाते हुए वे इंस्पायरिंग वूमेन लीडर्स वेस्ट 2025 में शामिल होंगी, ये उनके काम के लिए एक और बड़ा सम्मान है। उन्हें भारतीय टीवी में उनके शानदार काम के लिए सम्मान दिया गया है। इस इवेंट में रूपाली गांगुली के साथ कई और प्रेरणादायक शख्सियतें भी शामिल होंगी जैसे मलाईका अरोड़ा, कुशा कपिला, ऋचा चड्ढा, शेफाली शाह, रसिका दुग्गल, अश्विनी अय्यर तिवारी, जोनिता गांधी और कई अन्य। काम के मोर्चे पर, रूपाली गांगुली अपनी आइकॉनिक भूमिका अनुपमा में लगातार चमक रही हैं। यह शो आज भी भारतीय टीवी पर सबसे ज्यादा टीआरपी पाने वाले धारावाहिकों में शामिल है, और रूपाली इसकी जान हैं। उनकी दमदार एक्टिंग और भावनात्मक गहराई ने लाखों लोगों का दिल जीता है। सालों की मेहनत ने उन्हें हर घर का नाम बना दिया है, और उनके फैन्स उनकी ऑन–स्क्रीन और ऑफ–स्क्रीन यात्रा के साथ जुड़े हुए हैं।

किआरा आडवाणी ने बॉलीवुड में ऐसे बनाया अपना नाम

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी आज यानी की 31 जुलाई को अपना 34वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी फिल्मों में अपने किरदार से दर्शकों के दिलों पर राज किया है। एक्ट्रेस का यह बर्थडे काफी ज्यादा स्पेशल हैं, क्योंकि वह कुछ दिन पहले मां बनी हैं। पर्सनल लाइफ के अलावा प्रोफेशनल लाइफ में भी कियारा आडवाणी तेजी से कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ती नजर आई हैं। तो आइए जानते हैं एक्ट्रेस के बर्थडे के मौके पर कियारा आडवाणी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

मुंबई में 31 जुलाई 1991 में कियारा आडवाणी का जन्म हुआ था। इनका असली नाम आलिया आडवाणी था। लेकिन इंडस्ट्री में आने से पहले उन्होंने अपना नाम कियारा आडवाणी रख लिया था। क्योंकि इंडस्ट्री में पहले से आलिया भट्ट नाम की अभिनेत्री मौजूद थीं। कियारा के पिता जगदीप आडवाणी एक व्यवसायी हैं। कियारा ने मॉस कम्युनिकेशन में बैचलर किया है।

फिल्मी करियर

कियारा आडवाणी ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साल 2014 में श्फगलीश फिल्म से किया था। इसके बाद एक्ट्रेस श्एमएस धोनीरू द अनटोल्ड स्टोरीश फिल्म मिली। इस फिल्म से कियारा आडवाणी की किस्मत बदल गई। बॉलीवुड फिल्मों के अलावा कियारा ने साउथ की फिल्मों में भी काम किया है। एक्ट्रेस ने साल 2018 में साउथ अभिनेता महेश बाबू की तेलुगू फिल्म श्भारत अने नेनुश में काम किया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके अलावा एक्ट्रेस ने साल 2019 में राम चरण अभिनीत श्विनय विधेया रामाश फिल्म में नजर आई थीं। फिर साल 2019 में कियारा ने श्कबीर सिंहश, श्गुड न्यूजश में दिखाई दी थीं। इन दोनों ही फिल्मों से कियारा की लोकप्रियता बढ़ी थी। इसके बाद साल 2021 में एक्ट्रेस ने श्शेरशाहश फिल्म में काम किया था। इस फिल्म में एक्ट्रेस के अपोजिट अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आए थे। वहीं साल 2022 में कियारा ने फिल्म श्भूल भुलैया 2श में काम किया और फिर श्जुग जुग जियोश में नजर आई थीं।

लव लाइफ

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी की फिल्म शेरशाह की शूटिंग के दौरान अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा से दोस्ती हो गई। समय के साथ यह दोस्ती प्यार में बदल गई और फिर दोनों ने 4 साल तक एक–दूसरे को डेट किया। वहीं 07 फरवरी 2023 में राजस्थान के जैसलमेर में कपल ने शादी कर ली। वहीं शादी के दो साल बाद कियारा प्रेग्नेंट हो गईं और इस दौरान उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े फैशन इवेंट मेट गाला में भाग लिया और अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट किया। वहीं 15 जुलाई 2025 को एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने बेटी को जन्म दिया।

कैंसर सर्जरी के बाद दीपिका कक्कड़ ने बेटे को लेकर शेयर की अपनी बेबसी, कहा, मैं उसे उठा नहीं सकती

मशहूर टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने कुछ समय पहले लिवर कैंसर की सर्जरी करवाई है, जिससे वो धीरे–धीरे रिकवर हो रही हैं। एक्ट्रेस के पति शोएब इब्राहिम अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें लेकर हेल्थ अपडेट शेयर करते रहते हैं। इसी बीच हाल ही में, दीपिका का एक लेटेस्ट व्लॉग सामने आया है, जिसमें एक्ट्रेस बेहद इमोशनल लग रही हैं। तो आइए जानते हैं एक्ट्रेस के अपसेट होने का क्या कारण है? लेटेस्ट व्लॉग में दीपिका कक्कड़ अपने बेटे के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करती नजर आ रही हैं। इसके बाद व्लॉग के आखिर में दीपिका दिखाती हैं कि वो अपनी मां और बेटे के साथ घर वापस जा रही हैं। कार के बैठते ही दीपिका की मां और उनका बेटा रुहान सो जाते हैं। रुहान दीपिका की गोद में सो रहा होता और इस पर वो अपनी फीलिंगस शेयर करती हैं। एक्ट्रेस बताती हैं कि सर्जरी के बाद अब रुहान उनकी गोद में सोने लगा है। उनके स्टीट्चेस अब अच्छी तरह से हील हो चुके हैं। हालांकि, वो अपने बेटे को अभी भी उठा नहीं सकती हैं, लेकिन वो उनकी गोद में सो सकता है। एक्ट्रेस का कहना है कि ये पल उनके लिए बेहद कीमती होता है, क्योंकि जब उन्हें कैंसर के बारे में पता चला था, तो उन्हें ऐसा लगा था ये दिन वापस आएंगे? आएंगे तो कब आएंगे? अब जब चीजें धीरे–धीरे पहले की तरह ठीक हो रही हैं, तो ये छोटे–छोटे पल उनके लिए बेहद मायने रखते हैं। अपना हेल्थ अपडेट देते दीपिका कक्कड़ ने बताया कि उनके कैंसर ट्रीटमेंट के कारण उन्हें अब अल्सर हो रहे हैं। यानी अभी भी वो पूरी तरह से ठीक नहीं हुई हैं। बस उनकी परेशानियां पहले से कम हो गई हैं।

तुम सिर्फ सोनम के जीवनसाथी नहीं, बल्कि पूरे परिवार का अहम हिस्सा..दामाद आनंद के बर्थडे पर अनिल कपूर का खास पोस्ट

एक्ट्रेस सोनम कपूर के पति आनंद आहूजा बिजनेस जगत में एक जाना–पहचाना नाम हैं। हाल ही में उन्होंने अपना 42वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर उनके ससुर और बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनिल कपूर ने दिल छू लेने वाला पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें उन्होंने आनंद के लिए अपना प्यार और सम्मान खुलकर जताया। अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम पर आनंद आहूजा, बेटी सोनम कपूर और नाती वायु कपूर आहूजा के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा–जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं, आनंद। तुम न केवल सबसे स्टाइलिश स्नीकर्स लवर हो, बल्कि एक बहुत ही केयरिंग पिता भी हो। तुम सिर्फ सोनम के जीवनसाथी नहीं, बल्कि पूरे परिवार का एक अहम हिस्सा हो। एक ऐसा इंसान जो हर भूमिका को पूरे समर्पण और प्यार से निभाता है। सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने कई सालों की डेटिंग के बाद मई 2018 में शादी की थी। दोनों की जोड़ी को फिल्मी और फैशन इंडस्ट्री में काफी सराहा जाता है। अगस्त 2022 में उनके बेटे वायु कपूर आहूजा का जन्म हुआ, जिससे परिवार में और भी खुशियों का आगमन हुआ। वर्क फ्रंट की बात करें तो अनिल कपूर जल्द ही एक नई एक्शन–ड्रामा फिल्म "सूबेदार" में दिखाई देंगे। इस फिल्म में उनके साथ राधिका मदान मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

इंफ्लुएंसर्स नहीं बन सकते एक्टर

एक्टर रणबीर कपूर जल्द ही अपने फैंस के लिए रामायण फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका फैंस को बेसब्री से इंतजा रहे। फिल्म में इंदिरा कृष्णन माता कौशल्या का किरदार निभाने वाली हैं। इसी बीच हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में रणबीर कपूर के साथ काम करने का अपना अनुभव शेयर किया और आजकल के इंफ्लुएंसर्स पर तंज कसा जो एक्टर बन रहे हैं। इंदिरा कृष्णन ने हाल ही में इंफ्लुएंसर्स के बारे में बात करते हुए कहा– इंफ्लुएंसर्स कभी एक्टर्स नहीं बन सकते हैं। अगर वो इंफ्लुएंसर खुद एक्टर या एक्ट्रेस है। उनमें कुछ स्किल है तो ही वो बन सकते हैं। अगर आपमें कोई स्किल ही नहीं है तो कैसे आप फॉलोअर्स के बेसिस पर कर सकते हो। मुझे लगता है आप जो भी पर्दे पर देखते हो वो काम बोलता है। वो कैरेक्टर अगर पॉपुलर हो जाता है तो आपका काम और हार्डवर्क दिखता है। मुझे लगता है इंफ्लुएंसर्स को वो ही रहना चाहिए। उन्हें अपनी क्रिएटिव फील्ड को एक्टिंग के साथ मिक्स नहीं करना चाहिए। इंदिरा ने आगे कहा– आजकल ऐसा भी हो गया है कि कैफे में बैठी थी। हमको ये बहुत खूबसूरत लगी और फिर उसे एक्ट्रेस बना दिया, लेकिन अभी लोग कॉन्शियस हो गया है कि मुझे कुछ नहीं आता है। चौनल में बहुत से लोग बैठे हैं कि वो कहते हैं मुझे ये लड़की पसंद है मुझे ये चाहिए। अब एक्टिंग करवाना आपका काम है। फिल्मों में आपकी वर्कशॉप होती है लेकिन टीवी में इतनी वर्कशॉप नहीं होती है। फिर जो डाउनफॉल होता है वो कहीं न कहीं इस वजह से होता है कि एक्टर्स नहीं कर पाते हैं। बता दें, इंदिरा कृष्णन फिल्म इंडस्ट्री की बेहद पुरानी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने अपने करियर में फिल्मों के साथ कई हिट शोज में भी काम किया है। उन्होंने रणबीर के साथ एनिमल में काम किया था और अब रामायण में भी उनके साथ में नजर आएंगी।

हर आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं ये हैंडबैग, मिलेगा क्लासी लुक

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैंडबैग के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप बताए गए डिजाइन के हिसाब से चूज कर सकते हैं। इससे आपको आउटफिट के साथ हैंडबैग को कैरी करने में दिक्कत भी नहीं होगी।

अक्सर हम सभी अपने आउटफिट के साथ अलग–अलग डिजाइन वाले हैंडबैग कैरी करते हैं। इन हैंडबैग में फोन या अन्य जरूरी सामान लेकर जाते हैं। लेकिन आउटफिट के साथ हर हैंडबैग अच्छा नहीं लगता है। ऐसे में हम हैंडबैग को चेंज करने के बारे में सोचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैंडबैग के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप बताए गए डिजाइन के हिसाब से चूज कर सकते हैं। इससे आपको आउटफिट के साथ हैंडबैग को कैरी करने में दिक्कत भी नहीं होगी।

हैंडबैग को आउटफिट के साथ ऐसे करें मैच

अगर आप भी अपने हैंडबैग को आउटफिटके साथ मैच करना चाहती हैं। तो इसके लिए आपको हैंडबैग के डिजाइन का खास ध्यान रखना होगा। हालांकि इसके पैटर्न को अपने सामान के हिसाब से चूज करना होगा। इससे आपको इसे कैरी करने में किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी।

ब्लैक ऐड ब्राउन शेड वाला हैंडबैग

अगर आप ऐसा हैंडबैग चाहती हैं, तो हर आउटफिट के साथ मैच करे, तो आपको ब्लैक ऐड ब्राउन शेड वाला हैंडबैग चूज कर सकती हैं। इस तरह के कलर कॉन्ट्रास्ट वाले बैग काफी अच्छे लगते हैं। आप इस तरह के हैंडबैग को किसी भी कलर के आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं। इसमें आपको प्रिंटेड से लेकर प्लेन तक हर तरह के हैंडबैग का ऑप्शन मिल जाता है। जोकि कैरी करने में अच्छा लगता है।

चेक डिजाइन वाले हैंडबैग

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनको ज्योमैट्रिकल पैटर्न वाली चीजें ज्यादा पसंद है। तो आप चेक डिजाइन वाले हैंडबैग कैरी कर सकती हैं। इस तरह के हैंडबैग भी कैरी करने के बाद काफी अच्छे दिखते हैं। इस तरह के हैंडबैग में आपको डबल शेड कलर मिलता है और साथ में लगने वाली गोल्डन चेन भी मिलती है। इस बैग को कैरी करने के बाद लुक क्लासी लगता है। इस तरह के बैग आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे।

टेस्ल डिटेल वाला हैंडबैग

कई लोगों को लैदर या फिर कपड़े से बना बैग पसंद नहीं आता है। ऐसे में आप टेस्ल डिटेल वाला हैंडबैग कैरी कर सकती हैं। इस तरह के बैग में टेल्स से डिटेलिंग में काम किया गया है। इसलिए यह हैंडबैग कैरी करने में अच्छा लगता है। आप इस तरह के हैंडबैग को किसी भी आउटफिट के साथ आसानी से कैरी कर सकती हैं। वहीं रोजाना ऑफिस, इवेंट या फिर कॉलेज ले जाने के लिए भी यह हैंडबैग बिलकुल परफेक्ट है।

किचन की इन 3 गलतियों से हो सकता है प्रेशर कुकर का हादसा, बचाव के लिए अपनाएं ये 4 जरूरी सावधानियां

आज के समय में लगभग हर घर की रसोई में प्रेशर कुकर मौजूद होता है। यह खाना पकाने का एक ऐसा उपकरण है जो समय और मेहनत दोनों बचाता है। खासकर दाल, चावल, आलू आदि पकाने में इसकी भूमिका अहम होती है। लेकिन, अगर प्रेशर कुकर का सही तरीके से इस्तेमाल न किया जाए तो यह खतरनाक भी साबित हो सकता है। कई बार छोटी–छोटी गलतियों की वजह से कुकर फटने जैसे गंभीर हादसे हो जाते हैं। सोशल मीडिया पर लोकप्रिय वीडियो क्रिएटर एक्सपेरिमेंट भैया ने बताया है कि कुकर फटने के तीन मुख्य कारण क्या होते हैं और उनसे बचने के लिए कौन–कौन सी सावधानियां जरूरी हैं। आइए विस्तार से समझते हैं।

प्रेशर कुकर फटने के तीन बड़े कारण

वेंट पाइप का जाम होना

वेंट पाइप वह हिस्सा होता है जिससे कुकर की भाप बाहर निकलती है और सीटी बजती है। अगर खाना पकाते समय वेंट पाइप में दाल, चावल या कोई और चीज फंस जाए या सही से साफ न किया गया हो, तो यह पाइप बंद हो सकता है। वेंट पाइप जाम होने पर कुकर के अंदर दबाव बढ़ने लगता है, जिससे वह फट सकता है।

सेफ्टी वॉल्व का खराब होना

सेफ्टी वॉल्व प्रेशर कुकर की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी होता है। जब अंदर का दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाता है और वेंट पाइप ब्लॉक होता है, तब सेफ्टी वॉल्व खुलकर अतिरिक्त भाप को बाहर निकाल देता है, जिससे कुकर फटने से बच जाता है। लेकिन अगर यह सेफ्टी वॉल्व खराब या फेल हो जाए तो खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार सेफ्टी वॉल्व को हर साल बदलना जरूरी होता है।

कुकर को अधिक भरना (ओवर–फिलिंग)

कुकर की क्षमता से ज्यादा खाना भरना भी बहुत बड़ा खतरा है। खासकर दाल या चावल जैसी चीजें पकाने पर जो फूलती हैं, अधिक भरने पर भाप के निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। इससे कुकर के अंदर दबाव बढ़ जाता है और वह फट सकता है।

हादसे से बचने के लिए जरूरी सावधानियां

आईएसआई मार्क वाला कुकर इस्तेमाल करें: हमेशा ऐसे प्रेशर कुकर का चुनाव करें जिस पर मार्क हो। इससे यह सुनिश्चित होता है कि कुकर गुणवत्ता मानकों के अनुसार बना है और सुरक्षित है। वेंट पाइप को साफ रखेंरू खाना बनाने से पहले वेंट पाइप की अच्छी तरह जांच और सफाई जरूर करें। आप एक पतले तार या पिन से भी इसे साफ कर सकते हैं ताकि अंदर कोई जाम न हो।

सेफ्टी वॉल्व को सालाना बदलें: भले ही सेफ्टी वॉल्व ठीक लगे, सुरक्षा के लिए इसे हर एक साल में बदलवाना चाहिए। इससे आपके कुकर का सुरक्षित इस्तेमाल सुनिश्चित होता है।

कुकर को उसकी क्षमता से ज्यादा न भरें: आमतौर पर कुकर को उसकी पूरी क्षमता से अधिक नहीं भरना चाहिए। लगभग दो–तिहाई से ज्यादा खाना भरना सही नहीं माना जाता है।

प्रेशर कुकर सही इस्तेमाल और साफ–सफाई के साथ एक बेहतरीन और सुरक्षित रसोई उपकरण है। लेकिन, उसकी देखभाल न करने पर वह खतरनाक भी साबित हो सकता है। इसलिए ऊपर बताए गए कारणों और सावधानियों का ध्यान रखें ताकि आप और आपका परिवार सुरक्षित रहे।

आपके पसंदीदा पनीर में होती है सबसे ज्यादा मिलावट, खाने से पहले कर लें असली और नकली की पहचान

नकली पनीर के नाम पर खा रहे हो सफेद जहर! यह चेतावनी अब सिर्फ खबर नहीं, बल्कि जमीनी सच्चाई बन चुकी है। बाजार में मिल रहा नकली पनीर न सिर्फ शरीर को नुकसान पहुंचाता है बल्कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण भी बन सकता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि एफएसएसएआई ने पिछले एक हफ्ते में देशभर के अलग–अलग राज्यों में छापेमारी में 4000 से ज्यादा नकली पनीर जब्त किया है।

इस तरह बनता है नकली पनीर

खाद्य सुरक्षा विभाग देश भर में नकली दूध और पनीर पर बड़ी कार्रवाई कर रहा है। बाजार में मिलने वाला नकली पनीर अक्सर सस्ते और हानिकारक केमिकल्स से तैयार किया जाता है। यह रिफाइंड तेल, यूरिया, डिटर्जेंट और स्टार्च को मिलाकर बनाया जाता है। इसी सिंथेटिक दूध से नकली पनीर जमाया जाता है। पनीर को चमकदार और ताजा दिखाने के लिए कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल किया जाता है।

शरीर को इस तरह नुकसान पहुंचाता है पनीर

इसमें डाले जाना वाला डिटर्जेंट और यूरिया शरीर के अंगों को धीरे–धीरे नुकसान पहुंचाते हैं, खासकर किडनी और लीवर को। वहीं लंबे समय तक सिंथेटिक रंग और पाउडर के सेवन से कैंसर सेल्स के विकास की आशंका बढ़ती है। इसमें डाले जाने वाला स्टार्च और सिंथेटिक

केमिकल्स पाचन तंत्र को खराब कर टॉक्सिन्स जमा करते हैं, जो बाद में गंभीर बीमारियों का रूप ले सकते हैं।

नकली पनीर से कैसे होता है कैंसर?

बार–बार नकली पनीर खाने से शरीर में जहरीले तत्व जमा होते हैं। ये कोशिकाओं में म्यूटेशन कर सकते हैं, जो आगे चलकर कैंसर सेल्स का कारण बनते हैं। नकली तत्व शरीर में सूक्ष्म स्तर पर सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस पैदा करते हैं। इससे कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं, जो ट्यूमर या कैंसर में बदल सकती हैं। नकली पनीर पेट, आंत और लिवर को कमजोर करता है। लिवर अगर लंबे समय तक केमिकल्स से जूझता है तो उसमें कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है।

इस तरह करें असली और नकली पनीर की पहचान

–एक टुकड़ा पनीर गर्म पानी में डालें। असली पनीर नरम रहेगा और बिखरेगा नहीं, नकली पनीर रबर जैसा हो जाएगा या टूटकर बिखर जाएगा।

–पनीर के टुकड़े पर आयोडीन की 1–2 बूंद डालें, अगर नीला रंग आता है, तो उसमें स्टार्च मिला है, यानी नकली है।

–असली पनीर में दूध की हल्की सी मिठास और खुशबू होती है। नकली पनीर में गंध अजीब, हल्का केमिकल जैसी होती है।

–असली पनीर हाथ से मसलने पर चिपकता नहीं और नमी महसूस होती है। नकली पनीर रबर जैसा लगता है और हाथ में चिपक सकता है।

पार्लर जैसा ग्लो अब घर पर मिलेगा, मिनटों में असर दिखाएंगे ये घरेलू फेस पैक

आप कुछ फेस पैक आसानी से घर पर बना सकती हैं और यह कुछ ही मिनटों में अपना असर दिखाते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपनी स्किन को निखारना चाहती हैं, तो कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खा अपना सकती हैं।

सुंदर और गोरी स्किन पाना हर किसी की चाहत होती है। लेकिन बिना केमिकल के स्किन को खूबसूरत बनाना सबसे अच्छा होता है। घरेलू फेस पैक आपकी स्किन को जल्दी और नेचुरल तरीके से साफ और ग्लोइंग बनाते हैं। यह फेस पैक आप आसानी से घर पर बना सकती हैं और यह कुछ ही मिनटों में अपना असर दिखाते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपनी स्किन को निखारना चाहती हैं, तो कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खा अपना सकती हैं। आप भी इनको आजमाकर फर्क साफ महसूस कर सकती हैं।

बेसन और दही का फेस पैक

सबसे पहले बेसन और दही को बराबर मात्रा में लेकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब इसको अपने फेस पर लगाएं और 15 मिनट तक सूखने के लिए छोड़ दें। यह फेस पैक न सिर्फ स्किन की गंदगी को साफ करता है, बल्कि इससे आपकी स्किन भी साफ और निखरी हुई नजर आती है।

हल्दी और दूध का फेस पैक

दूध के साथ थोड़ी सी हल्दी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपने फेस पर लगाएं और 10–15 मिनट के लिए सूखने के लिए छोड़ दें। हल्दी आपकी स्किन को नेचुरली तरीके से साफ करने में मदद करती है और इस फेस पैक से दाग–धब्बे भी कम होते हैं।

आलू और नींबू का फेस पैक

आलू को कद्दूकस करके इसका रस निकाल लें। आलू के रस में नींबू का रस मिलाएं और फेस पर अप्लाई करें। फिर 15 मिनट बाद इसको ठंडे पानी से धो लें। यह फेस पैक आपकी स्किन को हल्का गोरा बनाता है और दाग–धब्बों को दूर करता है। क्योंकि नींबू में विटामिन सी पाया जाता है, जोकि हमारी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है।

शहद और ओट्स का फेस पैक

थोड़ा शहद और ओट्स लेकर पेस्ट बनाएं और इसके करीब 20 मिनट के लिए फेस पर अप्लाई करें। शहद आपकी स्किन को सॉफ्ट बनाता है। वहीं ओट्स से स्किन की डेड सेल्स हटती है और स्किन ग्लोइंग बनती है।

दही और ओट्स का फेस पैक

दही और ओट्स को मिलाकर अपने चेहरे पर 15 मिनट के लिए अप्लाई करें। इस फेसपैक से भी आपकी स्किन साफ होती है। बता दें कि दही में लैक्टिक एसिड पाया जाता है, जोकि स्किन को धीरे–धीरे गोरा बनाता है।

संक्षिप्त

इंडिगो का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 20 प्रतिशत घटकर 2,176.3 करोड़ रुपये पर

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल–जून तिमाही में 20 प्रतिशत घटकर 2,176.3 करोड़ रुपये रहा है। हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध और समग्र चुनौतीपूर्ण परिचालन माहौल के कारण कंपनी की आमदनी घटी है, जबकि इस अवधि के दौरान 12 प्रतिशत अधिक यात्रियों ने कंपनी के विमानों से उड़ान भरी। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की घरेलू बाजार में हिस्सेदारी जून में 64.5 प्रतिशत थी। कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 2,728.8 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी की कुल आय 6.4 प्रतिशत बढ़कर 21,542.6 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 20,248.9 करोड़ रुपये थी। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने कहा कि जून तिमाही महत्वपूर्ण बाहरी चुनौतियों से प्रभावित रही, जिससे पूरे विमानन क्षेत्र के लिए मुश्किलें खड़ी हुईं। उन्होंने कहा, "उद्योग में इन व्यापक व्यवधानों के बावजूद, हमने जून, 2025 को समाप्त तिमाही में लगभग 11 प्रतिशत के शुद्ध लाभ मार्जिन के साथ 2,176.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया।" जून तिमाही में एयरलाइन का कुल खर्च 10.2 प्रतिशत बढ़कर 19,231.9 करोड़ रुपये हो गया, जबकि इसी अवधि में ईंधन लागत 9.1 प्रतिशत घटकर 5,832.6 करोड़ रुपये रह गई। कंपनी ने बयान में कहा, "तिमाही के लिए, हमारा यात्री टिकट से आय 17,791.7 करोड़ रुपये थी, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि थी। सहायक सेवाओं से आय 2,153.4 करोड़ रुपये थी, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 22.1 प्रतिशत है।

ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी शुल्क के पीछे ब्रिक्स और घाटे का हवाला दिया

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 25 प्रतिशत शुल्क लगाने को लेकर बुधवार को ब्रिक्स समूह व नयी दिल्ली के साथ 'भारी' व्यापार घाटे का हवाला दिया और कहा कि अमेरिका इस समय भारत के साथ बातचीत कर रहा है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, "हम अभी बातचीत कर रहे हैं और इसमें ब्रिक्स का मसला भी शामिल है। आप जानते हैं, ब्रिक्स मूलतः अमेरिका विरोधी देशों

का एक समूह है और भारत इसका सदस्य है। यह अमेरिकी मुद्रा पर हमला है और हम किसी को भी ऐसा नहीं करने देंगे।" ट्रंप ने बुधवार को एक अगस्त से भारत से आने वाले सभी सामानों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। राष्ट्रपति ने इसके साथ ही रूसी कच्चे तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद पर एक अनिर्दिष्ट जुर्माना भी लगाने की घोषणा की। ट्रंप ने कहा, "यह निर्णय आंशिक रूप से 'ब्रिक्स' की वजह से लिया गया है और इसमें कुछ हद तक घाटे की भूमिकी है। हमें बहुत बड़ा घाटा हुआ है। जैसा कि आप जानते हैं, प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी मेरे मित्र हैं लेकिन वे हमारे साथ व्यापार के मामले में बहुत ज्यादा जुड़े नहीं हैं।

रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरा,14 पैसे चढ़कर 87.66 प्रति डॉलर पर

रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से 14 पैसे उबरकर 87.66 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिका के 25 प्रतिशत शुल्क लगाने तथा रूसी कच्चा तेल एवं हथियार खरीदने पर जुर्माना लगाने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप की आशंका के बीच रुपया संभला है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि तीन साल से अधिक समय में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट यानी 89 पैसे टूटने के बाद रुपये ने कुछ हद तक वापसी की है लेकिन अब भी नकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहा है। अंतरबैंक

विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 87.66 पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.74 के शुरुआती निचले स्तर को छू गया। रुपया बुधवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 87.80 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.78 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 582.49 अंक की गिरावट के साथ 80,899.37 अंक पर और निफ्टी 151.70 अंक फिसलकर 24,802.45 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.19 प्रतिशत फिसलकर 73.10 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 850.04 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर दोनों देशों के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के संकेतों के बीच भारत पर एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की बुधवार को घोषणा की। इसके अलावा ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने का भी फैसला किया है।

पांचवें टेस्ट में चार बदलावों के साथ उतरा भारत, बुमराह को मिला आराम, कुलदीप फिर चूके

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट की आज से शुरुआत हो गई। लंदन के द ओवल मैदान में खेला जाने वाला यह मैच टीम इंडिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सीरीज हार से बचने के लिए भारत को हर हाल में यह मैच जीतना होगा। इंग्लैंड ने फिलहाल 2–1 की बढ़त बनाई हुई है। शुभमन गिल की अगुआई में भारत ने इस दौरे पर कमाल का प्रदर्शन किया है। लीड्स और लॉर्ड्स, जिन दो टेस्ट मैचों में भारतीय टीम हारी, वो बेहद करीबी रहे। टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने मैनचेस्टर टेस्ट को बचाने के लिए गजब का साहस दिखाया। भारतीय बल्लेबाज इस सीरीज में फॉर्म में रहे हैं।

बुमराह को मिला आराम

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते आराम दिया गया है। वहीं, अंशुल कंबोज भी पिछले टेस्ट में प्रभावित करने में नाकाम रहे थे। ऐसे में आकाश दीप की प्लेइंग–11 में वापसी हुई है। वह चोट की वजह से पिछला मैच नहीं खेले थे। पांचवें मुकाबले में भारत चार बदलावों के साथ उतरा है। कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि ऋषभ पंत की जगह ध्रुव जुरेल, शार्दुल ठाकुर की जगह करुण नायर, जसप्रीत बुमराह की जगह प्रसिद्ध कृष्णा और अंशुल कंबोज की जगह आकाश दीप को टीम में शामिल किया गया है।

मैनचेस्टर में लय में नहीं दिखे थे बुमराह

दुनिया के नंबर एक गेंदबाज 31 वर्षीय बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में लय में नहीं दिखे थे। उन्हें अपनी गति को लेकर भी संघर्ष करना पड़ा था। वे इस टेस्ट में सिर्फ एक विकेट ले सके थे। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बता दिया है कि यह फैसला उनकी पीठ को चोट से बचाने और भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

टीम संयोजन के बारे में अभी तक फैसला नहीं

मुकाबले से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि टीम संयोजन के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है और बुमराह सहित सभी गेंदबाज फिट हैं। मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के बाद गंभीर ने कहा था, श्हमने आखिरी टेस्ट के लिए टीम संयोजन पर कोई बातचीत नहीं की है। जसप्रीत बुमराह खेलेंगे या नहीं, इस पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। जो भी खेलेगा, वह देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेगा।श हालांकि, अब साफ हो गया है कि बुमराह को आराम मिला है।

बुमराह की रफ्तार में दिखी थी कमी

चौथे टेस्ट में भारत के 358 रन के जवाब में इंग्लैंड ने 669 रन का विशाल स्कोर बनाकर 311 रन की बढ़त हासिल की थी। भारत यह मैच ड्रॉ करने में सफल रहा था। बुमराह ने चौथे टेस्ट की पहली पारी में 33 ओवर फेंके। उन्होंने पहली बार किसी एक पारी में इतने ओवर किए। बुमराह ने 103 रन देकर दो विकेट लिए। यह उनके करियर में पहला अवसर था जब उन्होंने एक टेस्ट पारी में 100 से अधिक रन दिए। इस सीरीज के दौरान उनकी रफ्तार में कमी भी देखी गई। इसके बावजूद उन्होंने सीरीज के जो तीन टेस्ट मैच खेले उनमें 14 विकेट लिए जो टीम के एक अन्य प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के बराबर हैं।

कुलदीप को फिर नहीं मिला मौका

कई दिग्गजों ने चार टेस्ट के दौरान कुलदीप यादव को खिलाने की मांग की थी। हालांकि, एक बार फिर उन्हें नहीं चुना गया है।

पंत की जगह जुरेल की एंट्री

पंत पैर की अंगुली टूटने की वजह से सीरीज से बाहर हो चुके हैं। ऐसे में उनकी जगह ध्रुव जुरेल को मौका मिला है। पंत की गैरमौजूदगी में इस सीरीज में उन्होंने कई मौकों पर विकेटकीपिंग की है और अपने किरदार को बखूबी निभाया है। इसके अलावा रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर का भी खेलना तय है। दोनों ने मैनचेस्टर में टेस्ट बचाने के लिए विपरीत परिस्थितियों में भी शानदार बल्लेबाजी की थी।

भारत की प्लेइंग–11: यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड की प्लेइंग–11: जैक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप (कप्तान), जो रूट, ध्हैरी ब्रूक, जैकब बेथेल, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग।

21 रन और...जडेजा तोड़ देंगे 23 साल पुराना रिकॉर्ड, गिल और सिराज भी हासिल कर लेंगे बड़ी उपलब्धि

द ओवल। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला आज से लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। वह वीवीएस लक्ष्मण के 23 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने से महज 21 रन दूर हैं। जडेजा के अलावा इस मुकाबले में टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट सीरीज में 21 रन बनाते ही जडेजा 23 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ देंगे। वह नंबर छह या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए विदेश में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड वीवीएस लक्ष्मण के नाम है, जिन्होंने 2002 में वेस्टइंडीज दौरे पर 474 रन बनाए थे। मौजूदा सीरीज में जडेजा 454 रन बना चुके हैं और आगामी मुकाबले में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। मैनचेस्टर टेस्ट में जडेजा ने भारत की दूसरी पारी में महत्वपूर्ण 107 रनों की नाबाद पारी खेलकर मुकाबला ड्रॉ कराया था। इस दौरान उन्हें वाशिंगटन सुंदर का भरपूर साथ मिला था। वह नौ चौके और एक छक्के की मदद से 101 रन बनाकर नाबाद रहे थे। मौजूदा टेस्ट सीरीज में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। वह सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

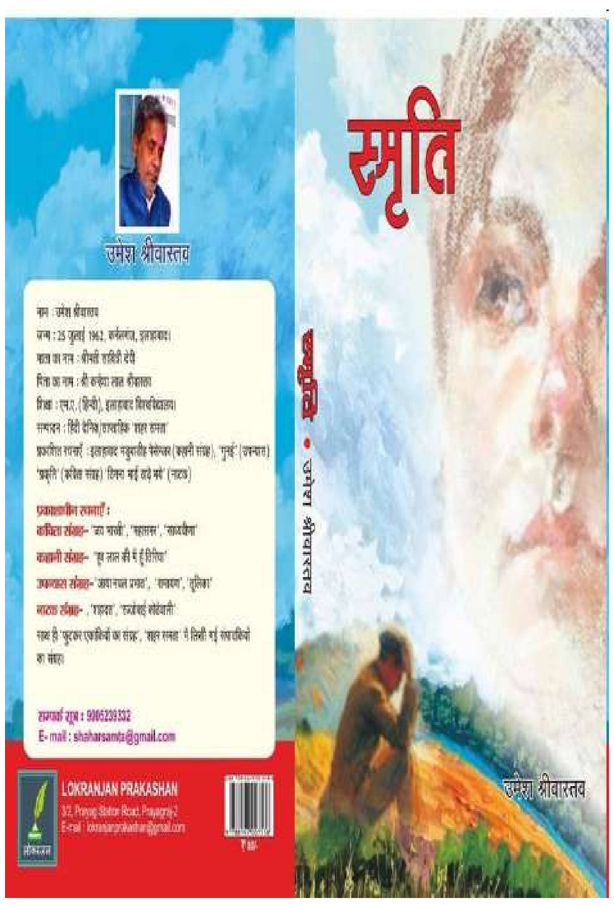

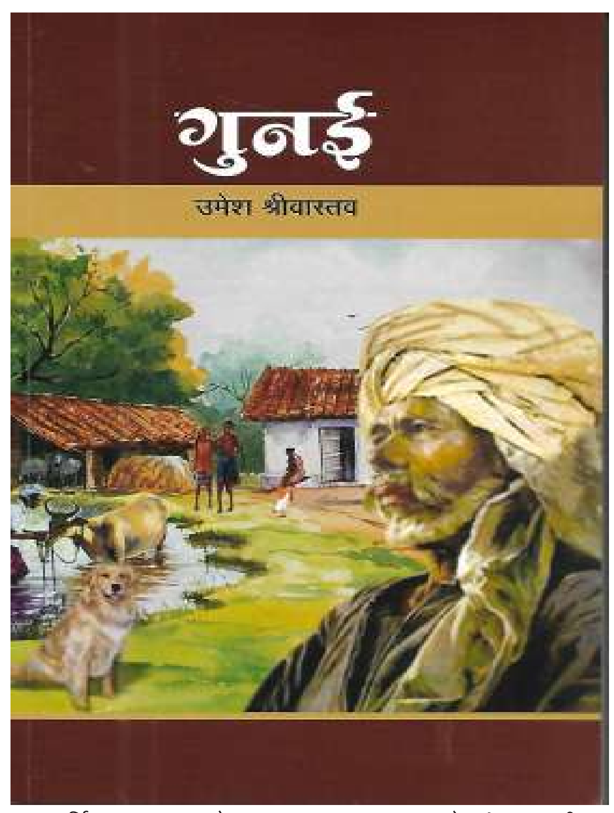

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

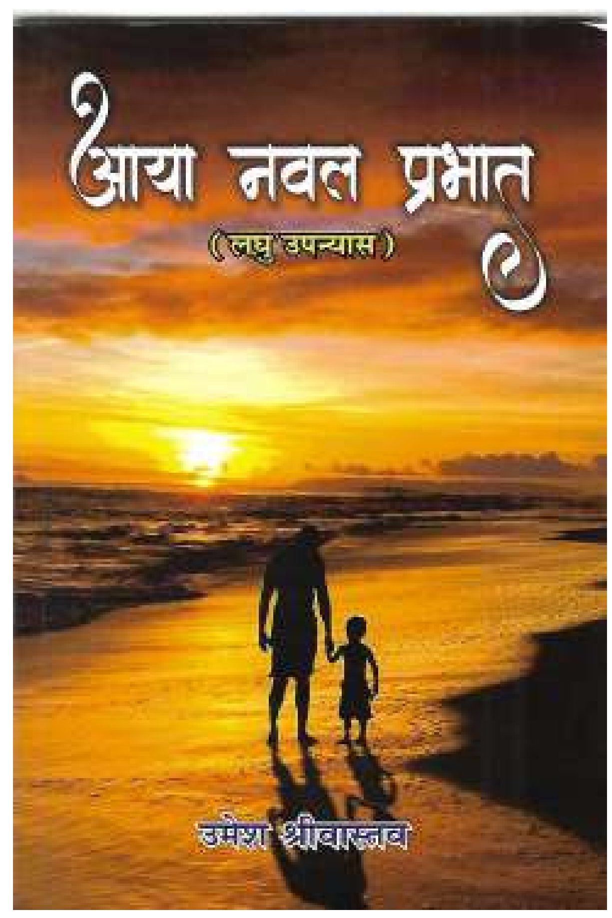

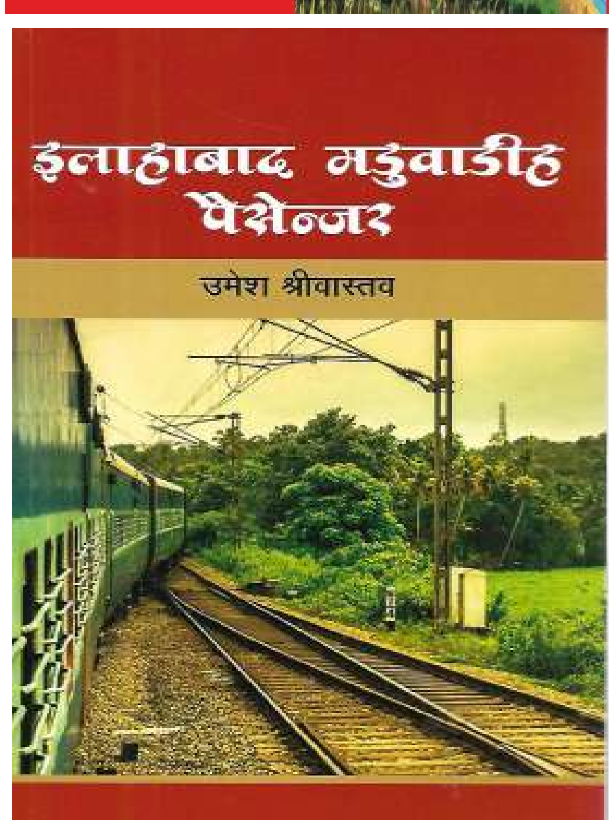

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

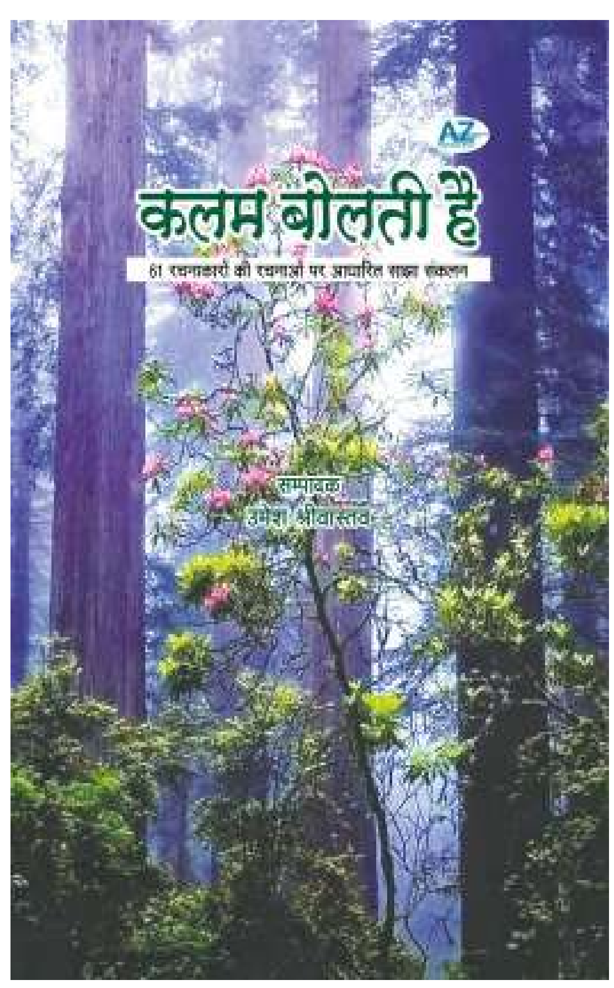

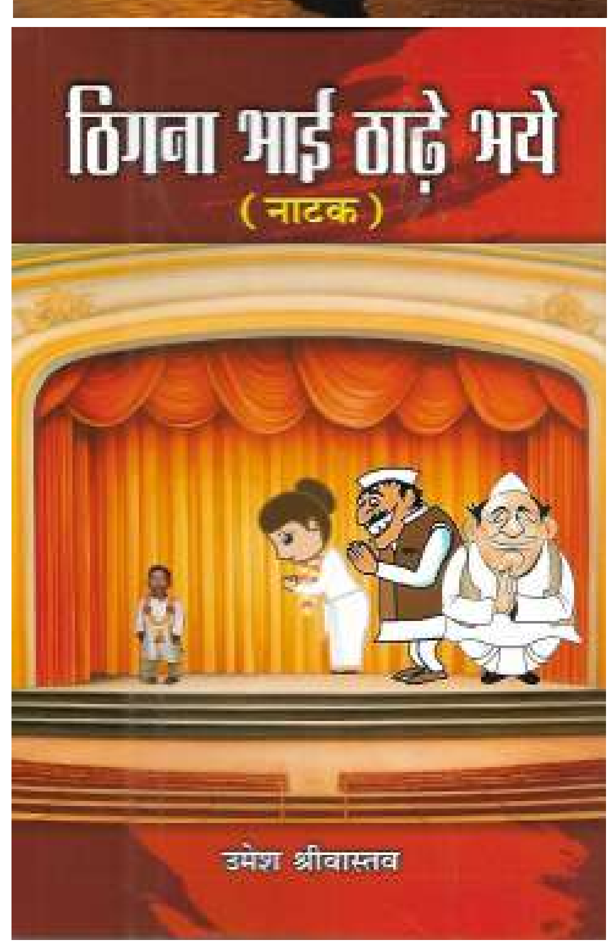

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ऑस्ट्रेलिया का पहला स्वदेशी रॉकेट 'एरिस' उड़ान भरने के 14 सेकंड बाद दुर्घटनाग्रस्त

ऑस्ट्रेलिया–निर्मित पहला कक्षीय प्रक्षेपण यान बुधवार को उड़ान भरने के 14 सेकंड बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। 'गिलमोर स्पेस टेक्नोलॉजीज' द्वारा प्रक्षेपित एरिस नामक कक्षीय प्रक्षेपण यान देश में तैयार किया गया पहला कक्षीय प्रक्षेपण यान है, जिसे छोटे उपग्रहों को कक्षा में ले जाने के लिए तैयार किया गया था। इसका परीक्षण बुधवार सुबह क्वींसलैंड राज्य के उत्तरी हिस्से में बोवेन शहर के पास एक 'स्पेसपोर्ट' से किया गया। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया द्वारा जारी किए गए वीडियो में 23 मीटर (75 फुट) लंबा रॉकेट, लॉन्च टावर से ऊपर उठता और हवा में मंडराता दिखाई दिया फिर आंखों से ओझल हो गया। उस जगह से धुएं के गुबार उठते देखे गए हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। कंपनी ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर पोस्ट किए गए एक बयान में इस प्रक्षेपण को सफल बताया। प्रवक्ता ने बताया कि सभी चार 'हाइब्रिड–प्रोपेल्ड इंजन' ने काम किया तथा पहली उड़ान में इंजन ने 23 सेकंड तक काम किया, उड़ान का समय 14 सेकंड रहा।

गाजा में खाद्य सामग्री पाने का इंतजार कर रहे 48 फलस्तीनी मारे गए

गाजा पट्टी में खाद्य सामग्री की प्रतीक्षा कर रहे कम से कम 48 फलस्तीनी मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। एक अस्पताल ने यह जानकारी दी। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राजदूत संघर्ष समाप्त कराने संबंधी वार्ता के लिए इजराइल पहुंच रहे हैं। गाजा शहर के शिफा अस्पताल ने बताया कि ये लोग ज़िकिम क्रॉसिंग पर मौजूद भीड़ का हिस्सा थे। इसी क्रॉसिंग से उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाई जाती है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि गोलीबारी किसने की और क्रॉसिंग पर नियंत्रण रखने वाली इजराइल की सेना ने भी इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। इजराइली सेना का कहना है कि वह केवल चरमपंथियों को निशाना बना रही है और वह नागरिकों की मौत के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराती है क्योंकि इस समूह के चरमपंथी घनी आबादी वाले इलाकों में सक्रिय हैं। भूख संकट पर अग्रणी अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरण के अनुसार इजराइल की सैन्य कार्रवाई और नाकेबंदी के कारण लगभग 20 लाख फलस्तीनयों के समक्ष अकाल जैसे हालात हैं। अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ, लगभग 22 महीने से जारी युद्ध को समाप्त कराने और सात अक्टूबर को हमास के हमले में बंधक बनाए गए लोगों को रिहा कराने के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं।

सिंगापुर में नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने के जुर्म में भारतीय नागरिक को 14 साल की सजा

सिंगापुर में 11 साल की बच्ची का दो बार यौन उत्पीड़न करने के जुर्म में बृहस्पतिवार को भारतीय नागरिक को 14 साल से अधिक कीसजा सुनाई गई। सिंगापुर उच्च न्यायालय ने भारतीय नागरिक को सजा सुनाई। रामलिंगम सेल्वासेकरन (58) की उम्र अधिक होने के कारण उसे कोड़े नहीं मारे जाएंगे लेकिन उसे सुनाई गई 14 वर्ष, तीन महीने और दो सप्ताह की सजा में 15 कोड़ों के बदले बदले अतिरिक्त कारावास की सजा शामिल है। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि सेल्वासेकरन को अदालत ने सात जुलाई को दोषी करार दिया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान सेल्वासेकरन ने खुद अपना पक्ष रखा। उसे सजा 30 जुलाई को सुनाई गई लेकिन उसने खुद को बेगुनाह बताया और कहा कि वह अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ अपील करेगा। अपील लंबित रहने तक 80,000 सिंगापुर डॉलर में जमानत मिलने के बाद सेल्वासेकरन ने अपनी जमानत की शर्तों में ढील देने का न्यायाधीश से अनुरोध किया। न्यायाधीश ऐडन जू ने हालांकि उसके उस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया जिसमें उसने अपना इलेक्ट्रॉनिक टैग (आमतौर पर दोषी व्यक्ति की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पैर पर लगाया जाता है) हटाने और पुलिस छावनी परिसर में नियमित जांच से छूट देने की मांग की थी।

`एक दिन इस्लामाबाद भारत को तेल बेचेगा...', डोनाल्ड ट्रम्प ने की घोषणा

अमेरिका पाकिस्तान में 'विशाल' तेल भंडार विकसित करेगा

भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और अतिरिक्त जुर्माने की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) पाकिस्तान के साथ एक व्यापार समझौते की घोषणा की। उन्होंने भारत के आतंकवाद पनाहगाह पड़ोसी देश में तेल भंडार विकसित करने की एक संयुक्त पहल का ज़िक्र किया और यह भी कहा कि किसी दिन इस्लामाबाद नई दिल्ली को तेल बेच सकता है। सोशल पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान इस साझेदारी के लिए तेल कंपनी चुनने की प्रक्रिया में हैं।

भारत और रूस के संबंधों से परेशान हुआ अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को भारत और रूस के व्यापारिक संबंधों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि भारत रूस के साथ क्या करता है। उन्होंने दोनों देशों पर ष्मृत अर्थव्यवस्थाष होने का आरोप लगाया। और फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है और कहा है कि वाशिंगटन, पाकिस्तान के साथ मिलकर दक्षिण एशियाई देश के षविशाल तेल भंडारष को विकसित करने के लिए काम करेगा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप पाकिस्तान में किस विशाल तेल भंडार की बात कर रहे थे।

ट्रम्प ने घोषणा की– अमेरिका पाकिस्तान में शविशालश तेल भंडार विकसित करेगा

ट्रंप ने कहा, हमने अभी–अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडारों को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हम उस तेल कंपनी को चुनने की प्रक्रिया में हैं जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। कौन जाने, हो सकता है कि वे किसी दिन भारत को तेल बेचें!ष यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा 1 अगस्त से भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ और अतिरिक्त जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद आई है। ट्रंप ने नई दिल्ली के साथ वाशिंगटन के व्यापार घाटे और रूसी तेल की खरीद का हवाला देते हुए यह घोषणा की है। ट्रंप ने अपने पोस्ट में आगे कहा कि उन्होंने कई देशों के नेताओं के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत की है, और कहा कि ष्ये सभी अमेरिका को बेहद खुश करना चाहते हैं।

मुझे फर्क नहीं पड़ता है भारत रूस के साथ क्या करता– ट्रंप

ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, ष्मुझे इसकी परवाह नहीं कि भारत रूस के साथ क्या करता है। वे अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ गिरा सकते हैं, मुझे इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। हमने भारत के साथ बहुत कम व्यापार किया है, उनके टैरिफ़ बहुत ऊँचे हैं, दुनिया में सबसे ऊँचे हैं।ष ट्रंप ने रूस पर भी निशाना साधते हुए कहा, इसी तरह, रूस और अमेरिका एक साथ लगभग कोई व्यापार नहीं करते। आइए इसे ऐसे ही रहने दें, और रूस के असफल पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव, जो खुद को अभी भी राष्ट्रपति समझते हैं, को अपनी बातों पर ध्यान देने को कहें। वह बहुत खतरनाक क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं!

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाया 25प्रतिशत टैरिफ

आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1 अगस्त की पारस्परिक टैरिफ समय सीमा से पहले ही भारत पर 25प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई अंतरिम समझौता नहीं हुआ है। इसके साथ ही, भारत ट्रंप की मुक्ति दिवस व्यापार रणनीति के तहत उच्च टैरिफ के अधीन देशों की सूची में नवीनतम नाम बन गया है। इस रणनीति का उद्देश्य बेहतर पारस्परिक व्यवस्थाओं के माध्यम से अमेरिकी व्यापार साझेदारी का पुनर्गठन करना है। संशोधित अमेरिकी टैरिफ भारत के अमेरिका को निर्यात को प्रभावित करेंगे, जिसका अनुमान 2024 में लगभग 87 अरब डॉलर है। इसमें परिधान, दवाइयाँ, रत्न एवं आभूषण, और पेट्रोकेमिकल उत्पाद जैसे श्रम–प्रधान क्षेत्र शामिल हैं। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार असंतुलन 45.7 अरब डॉलर है, जो भारत के पक्ष में है। डेलॉइट इंडिया के कार्यकारी निदेशक विजय चौहान ने कहा, भारतीय वार्ताकारों ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा में दृढ़ता बनाए रखकर अच्छा काम किया है। हम स्थिति पर नज़र रख रहे हैं क्योंकि अमेरिकी वार्ताकार 25 अगस्त को नई दिल्ली आने वाले हैं।

भारत–रूस की दोस्ती से बौखला उठी दुनिया, बीच समुंदर रोक दिए भारत के तीन तेल टैंकर

यूरोपीय संघ ने हाल ही में भारत की एक तेल कंपनी पर भीषण प्रतिबंध लगाए। रूस पर प्रतिबंध लगाने के नाम पर भारत के नायरा एनर्जी पर लगा बैन अब इसे भारी पड़ रहा है। खबर है कि नायरा एनर्जी के तीन टैंकर अपने माल के साथ इस समय समुद्र में अटके पड़े हैं। यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों के चलते भारत के नायरा एनर्जी के तीन टैंकर अपने माल का डिस्चार्ज नहीं कर पा रहे। नायरा जिसकी अधिकांश हिस्सेदारी रूस की तेल कंपनी रॉसनेट के पास है। वो अब वैश्विक व्यापारिक दवाब का सामना कर रही है। 18 जुलाई को यूरोपीय संघ ने नए प्रतिबंधों की लिस्ट जारी की थी। इस नई सूची में भारत की नायरा एनर्जी का नाम था। जिस पर प्रतिबंध लगाया गया। प्रतिबंधों के कारण यूरोपीय कंपनियों और तेल सर्वेक्षकों ने उसके उत्पादों से दूरी बना ली है। भले ही उनका भुगतान हो चुका हो। बावजूद इसके ये सामान नहीं डिलीवर किया जा रहा है।

चीन टैंकर जो यूं ही खड़े हैं उनमें एलोरा नामक टैंकर जो लगभग 60 हजार मैट्रिक टन जेट ईंधन लेकर पुर्तगाल के साइनस बंदरगाह पर पहुंचा था। 18 जुलाई से वो वहीं लंगर डाले हुए है। दूसरा टैंकर एमजेनिश वाडेनार से 40 हजार टल डीजल लेकर मलेशिया के त्यूजूंग तेलपास बंदरगाह पहुंचा। उसने रास्ता बदलकर मलक्का जलडमरूमध्य में लंगर डाला। तीसरा टैंकर पैसेफिक मार्टिना वाडनार से जेट ईंधन लेकर निकलने के बाद ओमान की खाड़ी में बिना खरीदार के घूम रहा है।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में इन जहाजों को लेकर जिक्र आया है। रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि कैसे नायरा एनर्जी के तीन टैंकर अपने माल का डिस्चार्ज नहीं कर पा रहे हैं। आपको बता दें कि नायरा एनर्जी वही कंपनी है पहले जिसे इजर ऑयल के नाम से जाना जाता था।

शरीफ ने व्यापार समझौते को बताया ''ऐतिहासिक'', ट्रंप का शुक्रिया अदा किया

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को बृहस्पतिवार को ''ऐतिहासिक'' बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रिया अदा किया और इससे दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ने की उम्मीद जाहिर की। ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत वे दक्षिण एशियाई देश के '' विशाल तेल भंडार'' को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। इसके तट पर तेल के भंडार हैं लेकिन उन भंडारों का दोहन करने में कोई प्रगति नहीं हुई है। देश वर्तमान में अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पश्चिम एशिया से तेल आयात करता है। प्रधानमंत्री शरीफ ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''मैं ऐतिहासिक अमेरिका–पाकिस्तान व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में नेतृत्वकारी भूमिका के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। इसे (समझौते को) कल रात वॉशिंगटन में दोनों पक्षों द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।'' उन्होंने कहा, ''यह ऐतिहासिक समझौता हमारे बढ़ते सहयोग को और मजबूत करेगा ताकि आने वाले दिनों में हमारी स्थायी साझेदारी की सीमाओं का विस्तार हो सके।'' सरकारी 'रेडियो पाकिस्तान' के अनुसार, पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब की वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि राजदूत जैमीसन ग्रीर के साथ हुई बैठक में इसे अंतिम रूप दिया गया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, '' हमने अभी–अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम उस तेल कंपनी को चुनने की प्रक्रिया में हैं जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। कौन जाने, शायद वे किसी दिन भारत को तेल बेचेंगे!'' रिपोर्ट के अनुसार, व्यापार समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देना, बाजार पहुंच का विस्तार करना, निवेश आकर्षित करना और पारस्परिक हित के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

अंडमान–निकोबार में पहली बार ईडी की कार्रवाई, 200 करोड़ के बैंक लोन घोटाले में की छापेमारी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अपना पहला तलाशी अभियान चलाया, जिसमें अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक (एएनएससीबी) से जुड़े बड़े पैमाने पर हुए धोखाधड़ी का पता चला। एजेंसी ने पोर्ट ब्लेयर और उसके आसपास के नौ स्थानों और कोलकाता में दो जगहों पर तलाशी ली और वित्तीय अनियमितताओं के महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए। ईडी अधिकारियों के अनुसार, पोर्ट ब्लेयर से कई आपत्तिजनक दस्तावेज़ बरामद किए गए, जो सहकारी बैंक द्वारा ऋण और ओवरड्राफ्ट सुविधाओं की मंजूरी में व्यापक उल्लंघनों का संकेत देते हैं।

फर्जी फर्मों को ऋण स्वीकृत

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि बैंक की आंतरिक प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों को दरकिनार करते हुए, कई फर्जी फर्मों को धोखाधड़ी से ऋण लाभ प्रदान किए गए।

पुतिन से भिड़कर अपनी फजीहत करवा रहे हैं ट्रंप? अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने टैंकर भरकर तेल भारत भेजा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ सेरूस को मनाने, डराने शांति वार्ता की राह पर लाने के लिए गुजारिश से लेकर चेतावनी तक देकर देख लिया।

लेकिन रूस अपने फैसले से टस से मस नहीं हुआ। ट्रंप लगातार कभी टैरिफ लगाने कभी रूस के दोस्तों को निशाना बनाने को लेकर खुद बयान देते कभी अपने नाटो और ईयू जैसे सहयोगियों से दिलवाते आए।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227